संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक **घटती घटना**

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 280 बुधवार 13 अगस्त 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

बलूचिस्तान पर उल्लू बन गए जनरल मुनीर

बीएलए पर अमेरिका के जाल में फंसे जनरल मुनीर,भारत से नहीं सीख पाए...

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। अमेरिका के दौरे पर गए पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाकायदा उल्लू बना दिया है। मुनीर ये सोच रहे होंगे कि ट्रंप ने उनकी मनचाही मुराद पूरी कर दी है। दरअसल, अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी यानी 'मजीद ब्रिगेड' को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। पाकिस्तान में यह माना जा रहा है कि मुनीर ने अमेरिका की धरती से बड़ी जीत हासिल कर ली है। मगर, हकीकत यह है कि इसके पीछे अमेरिका की मंशा कुछ और ही है, जो पाकिस्तान समझ नहीं पाया। वह भारत से सबक भी नहीं ले सका कि भारत ने किस तरह से ट्रंप की बात न मानकर रूस से अपनी दोस्ती बरकरार रखी है। इसे समझते हैं।

ट्रंप सरकार ने क्या किया, जिससे खुश हो गए मुनीर

दरअसल,पाकिस्तान में बलूच विद्रोही संगठन बीएलए लंबे समय से पाकिस्तान के लिए सिरदर्द रहा है। मजीद ब्रिगेड को इस संगठन का आत्मघाती हमला करने वाला विंग माना जाता है। अमेरिका ने कहा कि इस कदम का मकसद बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी की फंडिंग और हथियारों की आपूर्ति पर रोक लगाना है, ताकि इसकी हिंसक गतिविधियों को खत्म किया जा सके। यह कदम चीन के लिए राहत वाला बताया जा रहा है, क्योंकि बीएलए ग्वादर पोर्ट और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे यानी सीपीईसी के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है।

भारत ने कड़े टैरिफ लगाने के बाद भी नहीं मानी बात

भारत ने खुद को शुरू से ही एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में दुनिया को बताया है। उसने कभी भी किसी देश की गुटबाजी या खेमेबाजी से अपने को दूर रखा। ट्रंप इस बार यूक्रेन से युद्ध करने वाले रूस से तेल न लेने के लिए भारत पर दबाव डाल रहे हैं। इसके लिए वो भारत पर टैरिफ पर टैरिफ लगा रहे हैं। अब तक 50 फीसदी टैरिफ भी लगा चुके हैं। मगर, भारत ने रूस से दोस्ती नहीं तोड़ी और न ही उसने तेल लेना ही बंद किया है। भारत ने अमेरिका को साफ शब्दों में बता दिया है कि रूस से तेल खरीदना उसके राष्ट्रीय आर्थिक हितों से जुड़ा है, जिससे वह किसी भी दबाव में नहीं झुकने वाला है।

बीएलए को लेकर क्या है अमेरिका का मकसद

सबसे पहले यह समझते हैं कि बीएलए को आतंकी संगठन घोषित करने और पाकिस्तान को खुश करने के पीछे अमेरिका का क्या मकसद है। दरअसल, बलूचिस्तान में दुर्लभ खनिजों का भंडार है, जिस पर अभी कुछ हिस्सों में चीन ने निवेश कर रखा है। अमेरिका का मकसद वहां चीन को हटाकर अपनी जड़ें जमाना है। अमेरिका रेयर अर्थ मिनरल्स के मामले में अपनी बादशाहत हासिल करना चाहता है। यही वजह है कि वह ग्रीनलैंड, अलास्का और बलूचिस्तान समेत दुनिया के कई ऐसे हिस्सों पर अपना कब्जा जमाना चाहता है।

अब बलूचिस्तान ही क्यों, ये भी समझाए अमेरिका

दरअसल, अमेरिका को यह समझ आ गया है कि पाकिस्तान चीन के काफी करीब जा रहा है। जबकि पैसे लेने की बात आती है तो पाकिस्तान अमेरिका की ओर मुंह ताकता है। इंटरनेशनल मॉनीटरी फंड यानी आईएमएफ हो या वर्ल्ड बैंक, सभी अमेरिका के ही इशारे पर पाकिस्तान को फंडिंग करते हैं। यही वजह है कि अमेरिका अब आतंकवाद को बढ़ावा देने और आतंकियों को पनाह देने के आरोपों के बावजूद पाकिस्तान के खनिज भंडार पर ध्यान दे रहा है। ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं।

6 ट्रिलियन डॉलर की संपदा के लालच में है अमेरिका

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने उस वक्त प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की और इस्लामाबाद में पाकिस्तान मिनरल्स इन्वेस्टमेंट फोरम 2025 में हिस्सा लिया। यहां पाकिस्तान ने अपनी खनिज संपदा दिखाई,जिसकी कीमत लगभग 6 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। इसमें दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा तांबे का भंडार भी शामिल है। इस फोरम में अमेरिका, चीन, सऊदी अरब और यूरोपीय संघ के निवेशकों ने भाग लिया। पाकिस्तान ने खुद को भविष्य में खनिजों का केंद्र बनाने की कोशिश की।

संक्षिप्त खबरें

जस्टिस वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव मंजूर

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025(ए)। कैश कांड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला ने मंगलवार को महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी। स्पीकर ने कहा, मुझे रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता समेत कुल 146 सदस्यों के हस्ताक्षर से प्रस्ताव मिला है।

दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि देने झारखंड पहुंचे अखिलेश यादव

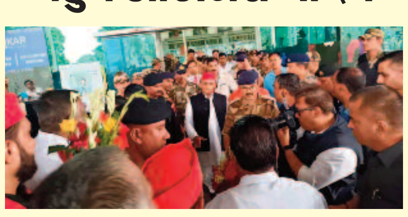

रांची,12 अगस्त 2025(ए)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे। उनका यह दौरा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी नेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए है।रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गुलदस्तों व नारों के साथ उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जल,जंगल जमीन से जुड़ा हुआ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने आया हूं,मैं उनके दुख में शामिल होने आया हूं।

35 साल पुराने सरला भट मर्डर केस में न्याय की उम्मीद जगी

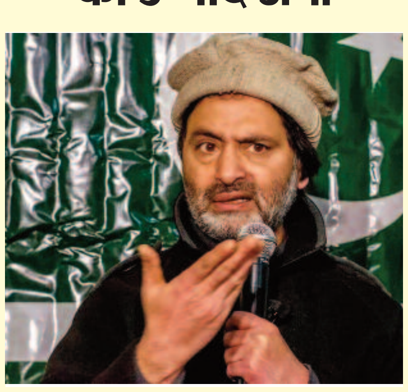

श्रीनगर,12 अगस्त 2025(ए)। 35 साल बाद जम्मू-कश्मीर की कश्मीरी पंडित महिला सरला भट के अपहरण और हत्या मामले में न्याय की उम्मीद बंधी है। इसको लेकर राज्य जांच एजेंसी, एसआईए ने श्रीनगर में 8 स्थानों पर रेड किया है। इस एक्शन के बाद कश्मीरी पंडितों को कुछ राहत मिली है।

आधार कार्ड को नागरिकता प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता

» एसआईआर विवाद में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर करवाने के मामले में विवाद पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने

कहा है कि चुनाव आयोग सही है यह कहने में कि आधार को अंतिम प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, इसकी जांच-परख जरूरी है।

कोर्ट में क्या दलील दी गई?

मामले में सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि 1950 के बाद जन्मा हर व्यक्ति भारत का नागरिक है लेकिन यहां प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक छोटे से विधानसभा क्षेत्र में 12 लोगों को मृत दिखा दिया गया, जबकि वे जिंदा है। बीएलओ ने कोई काम नहीं किया। सीनियर एडवोकेट गोपाल एस. ने कोर्ट को बताया कि 65 लाख नाम हटाए गए हैं,यह सामूहिक बहिष्करण है। वहीं, चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि यह सिर्फ ड्राफ्ट रोल है। इतने बड़े अभ्यास में छोटी-मोटी गलती हो सकती है, लेकिन यह कहना कि मृत जीवित हैं, सही नहीं।

राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर फिर बोला हमला

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी को लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति, एक वोट संविधान का आधार है और चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि वे एक व्यक्ति, एक वोट को लागू करें, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। राहुल गांधी ने बिहार की 124 साल की मिंता देवी का जिक्र करते हुए बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे अनगिनत मामले सामने आए हैं। अभी पिक्चर बाकी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर मीडिया से बात करते हुए एसआईआर के मुद्दे पर कहा, केवल एक सीट नहीं है, बहुत सारी सीटें हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा है और व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। चुनाव आयोग जानता है और हम भी जानते हैं। पहले हमारे पास सबूत नहीं थे, लेकिन अब हमारे पास सबूत हैं। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक मतदाता एक मत संविधान का आधार है और चुनाव आयोग की ड्यूटी है कि वे एक व्यक्ति एक मत को लागू करें, मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। हम (विपक्ष) केवल संविधान की रक्षा कर रहे हैं और करते रहेंगे, रुकेंगे नहीं।चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान बिहार में महिला मिंता देवी की उम्र 124 साल बताए जाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, ऐसे बहुत अनगिनत मामले सामने आए हैं। अभी पिक्चर बाकी है। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हम वोट चोरी का विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी ने बताया है कि वोटर लिस्ट में सारे फर्जी नाम और पते हैं।

मेधा पाटकर को सुप्रीम कोर्ट से झटका

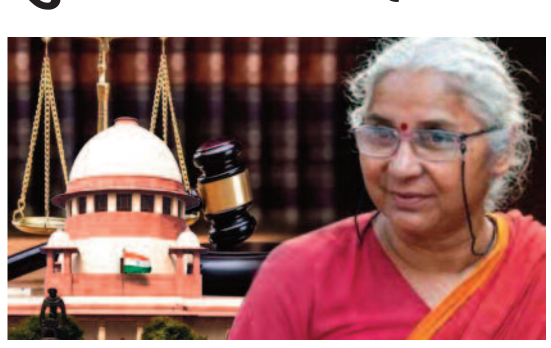

मानहानि के मामले में सजा बरकरार

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से 25 साल पहले दायर किए गए मानहानि मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को कोई राहत नहीं दी है। कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है।

बीएसएफ ने भारत-पाक बॉर्डर एरिया में पकड़ी 8.50 करोड़ रुपए की हेरोइन

बीकानेर,12 अगस्त 2025 (ए)। अंतरराष्ट्रीय भारत-पाक सीमा पर स्थित खाजूवाला कस्बे के 21 बीड़ी गांव के पास बीएसएफ ने नशे की खेप बरामद की है। बीएसएफ बीकानेर की इंटेलिजेंस ब्रांच की खुफिया सूचना के आधार पर उपमहानिरीक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय अजय लूथरा के निर्देशन में खाजूवाला पुलिस के साथ संयुक्त सघन तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान 21 बीडी गांव एरिया में 1.665 किलोग्राम मादक पदार्थ (हेरोइन) की जब्ती की गई,जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत लगभग 8.50 करोड़ रुपए है।

सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों पर आईएमए की याचिका बंद की

अंतरिम रोक हटाई

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की उस याचिका को बंद कर दिया, जिसमें आयुर्वेद और अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत पहले ही मिल चुकी है, इसलिए अब इस मामले को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही, कोर्ट ने नियम 170 को हटाने पर लगाई गई अंतरिम रोक को भी हटा दिया और पक्षकारों को हाई कोर्ट में जाने की छूट दी।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई शुरू करते हुए कहा, याचिका में मांगी गई सारी राहत पहले ही पूरी हो चुकी है। अब इस मामले को बंद करना चाहिए। वकील ने दलील दी कि आयुर्वेद के विज्ञापनों में कई बार गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर के इलाज का दावा किया जाता है, जिससे मरीज भटक जाते हैं और जब तक वे एलोपैथी डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, तब तक बीमारी गंभीर हो चुकी होती है। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा, जब तक इन दवाओं को बनाने की इजाजत है, हम यह नहीं कह सकते कि इन्हें बेचा न जाए। जस्टिस विश्वनाथन ने यह भी कहा कि विज्ञापनों पर पूरी तरह रोक लगाना अनुचित व्यापार व्यवहार हो सकता है।

आम आदमी की समझ को कम न आंके

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ऐसी शिकायतों के लिए कानूनी व्यवस्था मौजूद है। एक वकील ने देश की बड़ी अनपढ़ आबादी का हवाला देते हुए चिंता जताई, जिस पर मेहता ने टिप्पणी की,यह जंतर-मंतर नहीं है, जहां कोई भी आकर कुछ भी कह दे। आम आदमी की समझ को कम न आंके। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि वे सिर्फ एक मंच हैं और फेसबुक, व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म को बेवजह मुकदमों में नहीं घसीटा जाना चाहिए। इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नियम 170 को हटाने से जुड़े किसी भी मुद्दे पर पक्षकार हाई कोर्ट जा सकते हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य आम लोगों की पहुंच से बाहर

इंदौर,12 अगस्त 2025 (ए)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने इंदौर में माधव सृष्टि के कैंसर केयर सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा स्वास्थ्य और शिक्षा ये 2 विषय ऐसे हैं। आज के समय में ये समाज के लिए बहु बड़ी आवश्यकता बन गई है। लेकिन दुर्भाग्य ऐसा है कि ये दोनों बातें ही चीजें आज सामान्य व्यक्ति की पहुंच से बाहर है।

भारत ने पाकिस्तानी दूतावास में बंद की अखबार की सप्लाई,

न्यू दिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। ऑपरेशन सिंदूर में घुटने टेकने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। सूत्रों की हवाले से खबर सामने आई थी कि इस्लामाबाद में भारतीय दूतावास या उच्चायोग में भारतीय राजनयिकों और कर्मचारियों की अखबार, पानी और गैस जैसी बुनियादी जरूरतों की सप्लाई रोकी जा रही है। अब भारत ने भी पाकिस्तान की इस करतूत का मुंहतोड़ जवाब दिया है। जानकारी के मुताबिक, भारत ने भी पाकिस्तानी दूतावास में अखबार की सप्लाई बंद कर दी है।

ऑनलाइन नहीं मिलेगा जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद

» क्यों लिया गया फैसला? कानून मंत्री ने दिया जवाब

पुरी,12 अगस्त 2025 (ए)। ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर के महाप्रसाद की ऑनलाइन बिक्री को लेकर कुछ संगठनों ने मंदिर प्रशासन से अनुरोध किया था, जिसको नामंजूर कर दिया गया है. कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि राज्य सरकार ने पुरी जगन्नाथ मंदिर के महाप्रसाद की ऑनलाइन बिक्री के कुछ संगठनों के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है. कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने

सोमवार को कहा कि कुछ संगठनों ने हाल में श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से पुरी मंदिर के महाप्रसाद और सूखा प्रसाद को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए श्रद्धालुओं तक पहुंचाने का अनुरोध किया था.

भारत ने बांग्लादेश से जूट उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाया

नईदिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)। बांग्लादेश के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच भारत ने कुछ जूट उत्पादों और रस्सियों के सामान पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये प्रतिबंध जमीनी मार्गों से आयात पर लगा है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना जारी कर बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित किसी भी स्थलीय

बंदरगाह से बांग्लादेश से आयात की अनुमति नहीं होगी। डीजीएफटी ने बताया कि इन आयातों को केवल न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से ही किया जा सकेगा।

भारत के अलावा ये 4 देश भी 15 अगस्त को मनाते हैं स्वतंत्रता दिवस

नईदिल्ली,12 अगस्त 2025 (ए)।15 अगस्त आते ही पूरे देश का माहौल देशभक्ति से लबरेज दिखाई देता है। इसी दिन भारत ने अंग्रेजी हुकूमत से आजादी पाई थी।

लिकटेंस्टीन: साल 1866 में 15 अगस्त के ही दिन लिकटेंस्टीन को भी आजादी मिली थी।

दक्षिण कोरिया: साल 1945 में 15 अगस्त के ही दिन दक्षिण कोरिया को आजादी मिली थी।

कांगो: साल 1960 में 15 अगस्त के ही दिन कांगो, जोकि एक अफ्रीकी देश था, उसे आजादी मिली थी।

बहरीन: साल 1971 में 15 अगस्त के ही दिन बहरीन को भी आजादी मिली थी।

संपादकीय

टैरिफ वॉर का दांव

अपने दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ वॉर का दांव चल कर दुनिया के तमाम देशों को निशाने पर ले रहे हैं। भारत पर पच्चीस फीसद टैरिफ लगाने का फैसला पहले ही सुना चुके हैं।अब चौबीस घंटों के भीतर इससे कहीं ज्यादा टैरिफ लगाने की उनकी घोषणा एक और चेतावनी है। ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने को वॉर मशीन की मदद करने सरीखा बताया है। भारत ने तत्काल इसे तर्कहीन बताया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका भी रूस से परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम,हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है।कड़े प्रतिबंधों के बावजूद अमेरिका ने तकरीबन साढ़े तीन अरब डॉलर का रूसी गुड्स ट्रेड किया है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया कि वैश्विक बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीदते रहने को प्रोत्साहित किया गया था। मोदी को मित्र बता कर गलबहियां करने वाले ट्रंप के बदलते तेवर कूटनीतिक रूप से हताशा भरे माने जा सकते हैं। उन्होंने भारत को अच्छा व्यापारिक साझेदार न बता कर संदेह को भी बढ़ाने का काम किया है। रूस से सिर्फ तेल खरीद ही असल मुद्दा नहीं है। अमेरिका को भारत का रूसी सैन्य उपकरण लेना भी अखरता रहा है। अमेरिका के दबदबे को घुड़की देकर भारत ने वैश्विक समुदाय के समक्ष पश्चिमी देशों की पाखंड वाली नीति पर प्रश्न चिह्न लगाने में भी गुरेज नहीं किया। यूक्रेन में रूस के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर कर रहे गुटों की बात की जाए या व्यापार की तो इसकी किसी पारदर्शी योजना का अब तक खुलासा नहीं हुआ है।साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा संभावित है। तब भी अमेरिका अपनी आक्रामकता पर काबू करने में विफल रहने वाला है। खुद को शांति दूत के तौर पर पेश करने की ट्रंप की तमाम कोशिशों को दुनिया भली-भांति देख रही है। भारत न सिर्फ विशाल बाजार है, बल्कि उसे अन्य मुल्कों के साथ साझीदारी/व्यापार करने से रोक पाना आसान नहीं है। उसे अपनी बढ़ती अर्थव्यस्था की गति को स्थिर रखने और घरेलू दबावों के चलते अपने रुख पर कायम रहना होगा। ट्रंप की भभकी का असर अधिक इसलिए भी नहीं रह जाता क्योंकि वे अस्थिर व्यक्ति हैं। उनके बयानों/विचारों में ढुलमुलाहट के चलते घबराने की तनिक आवश्यकता नहीं है।

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही,वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए,क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है,सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है,वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है। भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है,जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है...सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन-इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

निःस्संदेह,मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के

बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों,मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता,असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है। नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये,धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो। शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है,तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा सेवा और संस्कार के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती,सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निर्माता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निःस्संदेह,बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं। ऐसे में भागवत की हालिया अपील सत्ताधीशों को नीतिगत बदलावों के बारे में सोचने को विवश कर सकती है, अब समय आ गया है कि सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा को लेकर नीतिगत कठोर मानवतापूर्ण बदलाव करें एवं इन्हें मुनाफा कमाने की मशीन न बनने दे। निःस्संदेह, भागवत के संदेश पर मोदी सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बाजार की वस्तु के बजाय नागरिक अधिकारों के दायरे में लाने की जरूरत है। इन क्षेत्रों को राजस्व स्रोत के बजाय नागरिक दायित्वों के रूप में मानकर सरकार समता, संतुलन एवं सेवा का समाज स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

टूटी छतों और दीवारों के बीच कैसे पलेगी शिक्षा की नींव ?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

भारत में लाखों सरकारी विद्यालय जर्जर हालत में हैं। टूटी छतें, दरारों वाली दीवारें,पानी व शौचालय का अभाव–ये बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों पर खतरा हैं। पिछले नौ वर्षों में 89 हज़ार सरकारी स्कूल बंद हुए,जिससे शिक्षा में अमीर-गरीब की खाई और गहरी हुई। शिक्षा का अधिकार कानून सुरक्षित भवन की गारंटी देता है, लेकिन ज़मीनी हकीकत अलग है। सरकार,समाज और नागरिकों को मिलकर विद्यालय भवनों की मरम्मत और सुविधाओं में निवेश करना होगा,ताकि आने वाली पीढ़ियाँ मलबों पर नहीं,मजबूत नींव पर अपने सपने खड़ी कर सकें।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आत्मा होती है और विद्यालय उसके मंदिर। यह वह स्थान है जहाँ बच्चों के सपनों को आकार मिलता है, विचारों को पंख मिलते हैं और भविष्य की नींव रखी जाती है। परंतु दुख की बात है कि भारत में,विशेषकर ग्रामीण इलाकों और आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में, इन मंदिरों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। अनेक विद्यालयों में छतें टूटी हुई हैं,दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें हैं, बरसात में पानी टपकता है, खिड़कियाँ टूटी हुई हैं,बेंच जर्जर हो चुकी हैं और पीने के पानी तथा शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। हाल ही में राजस्थान के झालावाड़ ज़िले में एक सरकारी विद्यालय की जर्जर दीवार गिरने से सात मासूम बच्चों की मौत हो गई। यह घटना किसी एक विद्यालय या राज्य तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। हर बार जब ऐसी दुर्घटना होती है, तो कुछ दिन तक चर्चा होती है, परंतु फिर सब सामान्य हो जाता है,और समस्या जस की तस बनी रहती है। सवाल यह है कि क्या हमें बच्चों की जान जाने के बाद ही जागना होगा?शिक्षा मंत्रालय के ताज़ा आँकड़े बताते हैं कि भारत में पंद्रह लाख से अधिक प्राथमिक और डेढ़ लाख से अधिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहाँ भवनों की देखभाल पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। लाखों विद्यालयों में आज भी लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं,पीने के पानी की व्यवस्था अधूरी है और अनेक राज्यों में लगभग एक-तिहाई विद्यालय जर्जर या अर्ध-जर्जर स्थिति में हैं। शिक्षा का अधिकार कानून दो हज़ार नौ ने छह से चौदह वर्ष के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी दी थी। इस कानून में यह भी स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि प्रत्येक विद्यालय का भवन सुरक्षित,सुसज्जित और बच्चों के अनुकूल होना चाहिए। लेकिन सच्चाई यह है कि काग़ज़ी प्रावधान ज़मीन पर लागू नहीं हुए। जर्जर भवनों में पढ़ने वाले बच्चों पर हर दिन खतरा मंडराता है, और शिक्षा का अधिकार केवल पुस्तकों में सीमित होकर रह जाता है।

बीते नौ वर्षों में देश भर में नवासी हज़ार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद हो चुके हैं। कारण बताया जाता है कि इन विद्यालयों में नामांकन कम हो गया, लेकिन असली वजह यह है कि विद्यालयों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और सुविधाओं के अभाव ने बच्चों और अभिभावकों का विश्वास तोड़ दिया। अभिभावक चाहते हैं कि बच्चे सुरक्षित वातावरण में पढ़ें,इसलिए वे निजी विद्यालयों का रुख करते हैं,भले ही उसके लिए उन्हें कर्ज़ क्यों न लेना पड़े। परिणाम यह है कि अमीर परिवारों के बच्चे बेहतर सुविधाओं वाले विद्यालयों में पढ़ते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों के बच्चे जर्जर सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई करते हैं या फिर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं। इससे शिक्षा में गहरी असमानता पैदा हो रही है। जब एक बच्चा वातानुकूलित कक्ष,आधुनिक शिक्षण सामग्री और पुस्तकालय में पढ़ता है और दूसरा बच्चा टूटी बेंच, सीलनभरी दीवारों और टपकती छत के नीचे बैठता है, तो दोनों के लिए समान अवसर कैसे संभव होंगे? यह असमानता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहती,बल्कि आगे चलकर रोजगार, आय और सामाजिक स्थिति पर भी असर डालती है। शोध बताते हैं कि असुरक्षित और असुविधाजनक वातावरण में पढ़ने वाले बच्चों में तनाव अधिक होता है,वे विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो पाते और पढ़ाई छोड़ने की संभावना भी बढ़ जाती है। बरसात के मौसम में कक्षाओं में पानी भर जाता है,गर्मियों में बिना पंखे और हवा के क्लास में बैठना मुश्किल हो जाता है, और सर्दियों में टूटी खिड़कियों से आती ठंडी हवा बच्चों के स्वास्थ्य पर असर डालती है। हमारे देश में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो दशमलव नौ प्रतिशत ही खर्च होता है,जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम से कम छह प्रतिशत की सिफारिश की जाती है। भवनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए जो राशि तय होती है, वह ज़रूरत के मुकाबले बहुत कम है। इसके अलावा,जो राशि मंज़ूर होती भी है,वह अक्सर नौकरशाही की धीमी प्रक्रिया,ठेकेदारी में भ्रष्टाचार और निगरानी की कमी के कारण पूरी तरह खर्च नहीं हो पाती।

यदि स्थिति सुधारनी है तो सबसे पहले विद्यालय भवनों की मरम्मत और सुरक्षा के लिए विशेष कोष बनाया जाए,जिसमें राज्य और केंद्र दोनों मिलकर धन दें। इस कोष का उपयोग पारदर्शी ढंग से हो और प्रत्येक खर्च का हिसाब सार्वजनिक किया जाए। हर सरकारी विद्यालय का वार्षिक सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो, जिसमें भवन की मजबूती,फर्नीचर,बिजली और पानी की व्यवस्था,शौचालय और खेल के मैदान जैसी सुविधाओं का मूल्यांकन किया जाए। पंचायत, अभिभावक और स्थानीय समाजसेवी संस्थाएँ निगरानी में शामिल हों,ताकि धन के दुरुपयोग पर रोक लग सके। प्रत्येक खंड स्तर पर ऐसे त्वरित मरम्मत दल बनाए जाएँ,जो वर्षा,भूकंप,तूफान या किसी अन्य आपदा के बाद तुरंत विद्यालयों की मरम्मत कर सकें। मरम्मत और निर्माण के काम में स्थानीय मज़दूरों और कारीगरों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि गाँव में ही रोज़गार भी पैदा हो और काम की गुणवत्ता पर भी निगरानी बनी रहे। लेकिन केवल भवन सुधारने से समस्या हल नहीं होगी। शिक्षकों की पर्याप्त नियुक्ति, पुस्तकालय, प्रयोग शालाएँ,खेल का सामान और आधुनिक शिक्षण साधनों की उपलब्धता भी उतनी ही ज़रूरी है। विद्यालय का वातावरण तभी प्रेरणादायक बनेगा,जब बच्चे वहाँ सुरक्षित महसूस करें और उन्हें सीखने के लिए सभी साधन उपलब्ध हों। विद्यालय भवन केवल ईंट-पत्थर का ढाँचा नहीं होते,वे बच्चों के सपनों और भविष्य की रक्षा करने वाले किले होते हैं। जब यह किला ही कमजोर और जर्जर हो, तो शिक्षा की नींव कैसे मजबूत होगी? समय आ गया है कि सरकार, समाज और नागरिक सभी मिलकर इन मंदिरों की मरम्मत में जुट जाएँ। शिक्षा में निवेश केवल खर्च नहीं है,बल्कि सबसे लाभकारी पूँजी-निवेश है,क्योंकि एक सुरक्षित और शिक्षित बच्चा ही कल का जिम्मेदार नागरिक बनता है। यदि हम आज इन टूटी दीवारों और छतों को नहीं सँभालेंगे,तो कल हमारी आने वाली पीढ़ियाँ इन्हीं मलबों के बीच अपने सपनों की तलाश करेंगी। यह केवल विद्यालय भवनों को सँभालने का सवाल नहीं है, यह भारत के भविष्य को सँभालने का सवाल है।

वीर दुर्गादास राठौड़ःशौर्य,पराक्रम एवं वीरता के प्रतीक

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

भारतीय इतिहास के आभायुक्त गरिमामय वितान का क्षत्रिय राजपूती फलक शताब्दियों से अपने त्याग, बलिदान,वीरता,स्वामिभक्ति तथा साका एवं जौहर व्रत से लोकजीवन में प्रेरणा एवं ऊर्जा का संचार करते हुए देश एवं राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पण का पथ प्रशस्त करता रहा है। इस मरुभूमि ने ऐसे नर नाहर उत्पन्न किए जिनके केवल नामोच्चारण से ही अरिदल के हृदय कंपित हो जाते थे। ऐसे ही वीर दुर्गादास राठौड़ संकल्प के धनी प्रखर राजपूत योद्धा थे जिन्होंने अपनी वीरता,दूरदृष्टि, संगठन शक्ति,कूटनीति एवं शौर्य-पराक्रम से इतिहास के गगनांचल में मारवाड़ के ध्वज को नवल गरिमा से सम्पृक्त कर श्रद्धा का आधार केंद्र बना दिया था। यह वीर दुर्गादास राठौड़ के युद्ध कौशल और रणनीति का ही परिणाम था कि दिल्ली से औरंगज़ेब की कैद से महाराजा जसवंत सिंह की विधवा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को सकुशल निकाल कर मारवाड़ लाने में सफल रहे थे,जिससे औरंगजेब हाथ मलते कसमसा कर रह गया था। वीर दुर्गादास राठौड़ का जन्म 13 अगस्त,1638 को मारवाड़ राज्यान्तर्गत सेलवा नामक ग्राम में हुआ था। पिता आसकरण राठौड़ जोधपुर नरेश महाराजा जसवंत सिंह के मंत्री एवं जागीरदार थे। माता नेतकंवर अपने पति आसकरण राठौड़ से अलग एक अन्य गांव में रहते हुए भी दुर्गादास राठौड़ का उचित पालन-पोषण किया और उसके हृदय क्षेत्र में त्याग, बलिदान एवं वीरता के भाव बीज का रोपण महाभारत एवं रामायण की प्रेरक कथाएं सुनाकर किया था। ओज-तेज प्रभा समन्वित बालक दुर्गादास शुक्ल पक्ष के चंद्र की भांति लोक में उजियार करने लगा।

महाराजा जसवंत सिंह की मुगल शहंशाह शाहजहां से मैत्री संधि थी। आगे 1673 में मुगल शहंशाह औरंगजेब के फरमान पर जोधपुर नरेश अफगानिस्तान में एक सैन्य अभियान पर गये थे और दुर्योग से वहीं 1678 में निःसंतान दो गर्भवती रानियों को छोड़ परलोक सिधार गये। बाद में रानियों के पुत्र हुए,जिसमें एक की मृत्यु हो गयी और दूसरा शिशु राजकुमार अजीत सिंह नाम से विख्यात हुआ। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि औरंगज़ेब महाराजा जसवंत सिंह को मेवाड़-मारवाड़ में मुगल साम्राज्य के विस्तार पथ का सबसे बड़ा कंटक मानते हुए पसंद नहीं करता था किंतु संधि होने के फलस्वरूप सीधा आक्रमण न कर हमला करने हेतु उचित कारण की तलाश में रहता था। इसका कारण यह था कि पूर्व में दिल्ली की गद्दी के लिए दारा शिकोह के साथ राजा जसवंत सिंह औरंगजेब के विद्रोह को दबाने हेतु गये थे किंतु सफल नहीं हुए थे और कालांतर में औरंगजेब ने पिता शाहजहां को कैद कर वर्ष सन् 1658 में दिल्ली की गद्दी हथिया ली थी। तब राजा जसवंत सिंह ने भी औरंगजेब से संधि करना उचित समझा था। तो इस प्रकार महाराजा की अचानक मृत्यु हो जाने से मारवाड़ राज्य के रिक्त सिंहासन को देख औरंगजेब की राज्य लिप्सा बढ़ी और मारवाड़ को मुगल राज्य के अधीन करने का स्वप्न साधने हेतु कुछ सरदारों को लाव-लश्कर सहित जोधपुर रवाना कर दिया तथा उधर अफगानिस्तान से मारवाड़ के लिए निकली सेना को दिल्ली के बाहर रुकने तथा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को दिल्ली दरबार में हाजिर होने का हुक्म दिया।

रानियों को दिल्ली पहुंचते ही कैद कर एक किले में नजरबंद कर दिया गया। यह धोखा वीर दुर्गादास राठौड़ को अंदर तक झकझोर गया और वह अपने सरदारों के साथ रानियों एवं राजकुमार अजीत की मुक्ति हेतु रणनीति बनाने लगे,सेना दिल्ली के बाहर तैयार ही थी। किंतु तभी औरंगजेब ने सेना को दिल्ली छोड़ने का फरमान दिया तो सेना आगे बढ़ गयी। परंतु वीर दुर्गादास ने अपने कुछ विश्वस्त सरदारों एवं युद्धाओं को गुप्त रूप से दिल्ली में रोक लिया और कुछ सरदारों को फौज की टुकड़ी के साथ आसपास के गांवों में रुकने का आदेश दिया। और एक दिन अनुकूल अवसर पर हमला कर औरंगजेब की नाक के नीचे से रानियों एवं शिशु राजकुमार अजीत सिंह को निकाल कर मारवाड़ पहुंचा दिया। योजनानुसार अजीत सिंह का पालन-पोषण भिन्न-भिन्न गांवों में करवाने की व्यवस्था कर वह स्वयं मुगल सेना से लोहा लेते रहे। इसी बीच कूटनीति एवं दूरदृष्टि से औरंगज़ेब को उसके घर में उलझाने का विचार कर उसके पुत्र मुहम्मद अकबर को पिता के विरुद्ध उकसाया। और उसे सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर जोरदार हमले की रणनीति बनाई। अद्भुत संगठन शक्ति की कुशलता से दुर्गादास विभिन्न रियासतों एवं बिखरी राजपूती सैन्य शक्ति को पूर्व में ही संगठित कर नेतृत्व की भूमिका में आ गये थे। किंवदंती है कि वीर दुर्गादास राठौड़ का भोजन एवं शयन भी घोड़े की पींठ पर ही होता था। कहने का आशय केवल इतना है कि राजकुमार अजीत सिंह राठौड़ को मारवाड़ के सिंहासनासीन कराने तक वह चैन से नहीं बैठे और अपने अश्व के साथ सर्वदा युद्ध हेतु तत्पर रहे। हालांकि,अजीत सिंह का राजतिलक होने के बाद दुर्गादास को मारवाड़ छोड़ना पड़ा। उसका कारण था कि जब शहजादा मुहम्मद अकबर के विद्रोह को औरंगजेब ने दबा दिया तो दुर्गादास राठौड़ ने उसे दक्षिण में मराठों के पास भेज दिया और एक वर्ष बाद वह वहां से ईरान भाग गया। इस भागमभाग में उसके एक पुत्र-पुत्री मारवाड़ में ही छूट गये जिनका पालन-पोषण दुर्गादास के संरक्षण में हुआ। एक बार युवा राजकुमार अजीत सिंह ने अकबर की पुत्री को देखा तो मुग्ध हो विवाह का प्रस्ताव रखा किंतु दुर्गादास ने नीति एवं धर्म-विरुद्ध बताकर उन पुत्र-पुत्री को औरंगजेब के पास भिजवा दिया। इससे अजीत सिंह मन ही मन दुर्गादास से अत्यंत क्रुद्ध हुआ। वह उनसे बदला ले, इसके पहले ही वह मारवाड़ छोड़कर मेवाड़ प्रवास करते हुए उज्जैन पहुंच गये।

महाकाल शिव की नगरी उज्जैन में वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की देह 22 नवम्बर, 1718 को पवित्र शिप्रा नदी के तट पर पावन रज में भस्मीभूत हो गयी। उनके मृत्यु स्थल पर एक छतरी का निर्माण किया गया। भारत सरकार ने उनकी स्मृति को संजोते हुए 16 अगस्त, 1988 को एक डाक टिकट तथा 25 अगस्त, 2003 को स्मारक सिक्के जारी किये और एक सड़क का नाम उनके नाम पर वीर दुर्गादास राठौड़ मार्ग रखा। उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर वीर दुर्गादास नाम से वर्ष 1924 और 1960 में फिल्में बनाई गईं। बच्चों के लिए अमर चित्रकथा का प्रकाशन हुआ। वीर दुर्गादास राठौड़ का जीवन हमें सर्वदा देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

शिव के तांडव नृत्य का सिलसिला अभी भी जारी

भगवान भोले नाथ का गुस्सा प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमि उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद से अभी भी जारी है। उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हंसलि के तेलगाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। धराली में 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसे खूबसूरत धराली गांव में सैलाब जैसे नीचे उतरते दिखा, उससे लगता है कि मौतें कहीं अधिक हुई हैं। पलय इतनी तीव्रता से आई कि उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया।बादल फटना अनायास जरूर है,लेकिन ये करीब 10 किमी. व्यास की परिधि में फटने के बाद अति वृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंमी. या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर उस क्षेत्र में होने वाली औसत वार्षिक वषा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेता है, लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फटने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते।समृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम अक्षम हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। ध्यान रखें कि अंततः हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण संबंधी कठोर नीतियों को लचीला बना कर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का कारण बन गया है।

-प्रमोद भार्गव-

कविता
अनपढ़ व अंधा है...

घटती-घटना

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा
राजस्थान

अनपढ़ व अंधा है
लगता है इश्क मेरा
अनपढ़ है
या वो अंधा है
नही दोनों ही है ।
अगर अनपढ़ होता
तो मेरी आँखों में उसके लिए
बहते समंदर को देख लेता ,
और यदि अंधा होता तो
ब्रेललिपि की सहायता से
उसके प्रेम में भीगे शब्दों के
वर्ण वर्ण की बूंद को
सरिता की तरह स्वयं में
समाहित कर लेता
पर इश्क मेरा ये दोनों ही
काम नही कर रहा है
लगता है इश्क मेरा
अनपढ़ व अंधा है ।

कविता
महामारी...

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे 'क्रांति'
जांजगीर चांपा
छत्तीसगढ़

एक गाँव में महामारी फैली
हर तपका पीड़ित हुआ
कोई मकान नही बचा
लघु-दीर्घ सब प्रभावित
भयावह संक्रामक बीमारी
भयाक्रांत,असीम जानलेवा
हर वर्ग के मुखिया जुड़े
आपसी वार्तालाप हुआ
समस्या के हल निकालने को
दूर-दूर पर एक ही ठौर में बैठे
सबने अपना-अपना तर्क रखा
फिर बुलाया,चिकित्सा टीम को
कैम्प लगा,जाँच हुआ
धीरे-धीरे रोग दूर होने
काश! ऐसी महामारी सदैव आती
जो मानव को मानव बनाती
ऊँच-नीच का भेदभाव दूर होता
जन में एकता व समानता फैलती।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सरगुजा पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों से गुम 60 नग मोबाइलों कों वापस बरामद कर असल मालिकों कों किया गया सुपुर्द

- भविष्य मे भी साइबर सेल द्वारा ऐसा अभियान चलाकर गुमे हुए मोबाइल असल मालिकों कों किये जाएंगे सुपुर्द
- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन में साइबर सेल अंबिकापुर की कार्यवाही

- अभियान के दौरान 08 लाख रुपए से अधिक का मोबाइल हुआ बरामद
- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के द्वारा संबंधितो को किया गया वितरित

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे साइबर सेल अंबिकापुर जिला सरगुजा द्वारा नागरिको के गुमे हुए मोबाइल फ़ोन कों खोजकर असल मालिकों कों पुनः वापस पहुचाये जाने हेतु अभियान की शुरुवात की गई, इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री राहुल बंसल (भा.पु.से.) के नेतृत्व मे साइबर सेल पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस तकनीक की मदद से कुल 60 गुम मोबाइल फोन कुल कीमती लगभग 08 लाख रुपये ढूंढ निकाले गए, और उन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया,मोबाइल फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अधिकतर मोबाइल फोन भीड़भाड़ वाले इलाकों में खो गए थे, जो बाद में ट्रैक कर वापस मांगवाकर पुनः मोबाइल मालिकों कों प्रदान किये गए। आवेदको ने ऑनलाइन पोर्टल https://www.ceir.gov.in पर अपने मोबाइल फोन खोने की शिकायत दर्ज कराई थी। इनमें से अधिकतर मामले बाजारों, सब्जी मंडियों, चौक चौराहे, यात्रा के दौरान और मंदिरो के पास सामने आए थे, पुलिस टीम ने तकनीकी संसाधनों और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए इन मोबाइल फोनों को ट्रैक किया और फिर उनके मालिकों को सौंप दिया गया। गुम मोबाइल मालिकों कों पुनः वापस दिलाने की कार्यवाही मे साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, विकाश सिन्हा, आरक्षक अनुज जायसवाल, अशोक यादव, रमेश राजवाड़े, विकाश मिश्रा, मनीष सिंह सक्रिय रहे।

सरगुजा पुलिस की अपील...सावधानी बरतें

सरगुजा पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अपने मोबाइल फोन का विशेष ध्यान रखें और अगर फोन गुम हो जाए तो पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम एवं अन्य तकनिकी संसाधनों की मदद से गुम मोबाइल फोन को खोजने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जाएगा,मोबाइल गुमने पर आवेदक अपने मोबाइल गुमने की रिपोर्ट संचार साथी एप्लीकेशन अथवा ceir पोर्टल के माध्यम से स्वयं कर सकते है।

सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन 14 अगस्त को

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

देश के आम नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के साथ मिल-जुलकर आगे बढ़ने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व 14 अगस्त को प्रातः 07 बजे से सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि यह दौड़ शासकीय बहुद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के खेल प्रांगण से आरम्भ होकर गुरुनानक चौक,महामाया चौक,संगम चौक, घड़ी चौक से होते हुए सिविल कोर्ट के सामने गाँधी स्टेडियम परिसर में सम्पन्न होगी। दौड़ में जन प्रतिनिधि,आम नागरिक, शासकीय अधिकारी/कर्मचारी, पुलिस बल, होमगार्ड बल, महाविद्यालय व विद्यालय के छात्र-छात्राएं,विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी व खिलाड़ी सभी भाग ले सकते हैं। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में उक्त तिथि व स्थान में प्रातः 06:30 बजे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सद्भावना स्वतंत्रता दौड़ में शामिल होने अपील की है।

मालयान वाहनों कोयला/फ्लाई एश (राख) के परिवहन हेतु दिशा-निर्देश जारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा सभी मालयान वाहनों कोयला / फ्लाई एश (राख) के परिवहन हेतु दिशा- निर्देश जारी किए गये हैं। जिसके अनुसार वाहनों को ओव्हरलोड नहीं किया जाएगा तथा ट्राली के साथ फ्री-बोर्ड बनाए रखा जाना चाहिए। लोडिंग के बाद,राख या कोयले को सड़क पर फैलने से बचाने के लिए भंडारण ट्राली को 200 जीएसएम मोटे तिरपाल से ढकना होगा। तिरपाल फटा हुआ नहीं होना चाहिए और भरी हुई राख का कोई भी भाग खुला नहीं होना चाहिए। परिवहन के दौरान राख और कोयले के फैलाव को रोकने के लिए ढके हुए तिरपाल को ट्राली के चारों ओर रस्सियों से बांधा जाना चाहिए।वाहनों की ट्राली को ढकने के लिए 200 जीएसएम मोटे तिरपाल के अलावा किसी अन्य सामग्री का उपयोग नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रकार के कपड़े,पॉलीथीन,हरे कृषि जाल आदि का उपयोग सख्त वर्जित है। उन्होंने बताया कि परिवहन वाहन के पास सभी प्रासंगिक वैधानिक दस्तावेजों की प्रतियां अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।सभी ट्रांसपोर्टरों को यातायात नियमों के साथ-साथ पर्यावरण मापदण्डों का भी सख्ती से पालन करना होगा, अन्यथा उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

- थाना लखनपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही
- आरोपी द्वारा पीड़िता कों बहला फुसला कर ले जाकर शादी का झांसा देकर कारित की गई थीं घटना
- नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे पुलिस टीम द्वारा की जा रही त्वरित कार्यवाही

-संवाददाता-
लखनपुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि प्रार्थी थाना लखनपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 07/08/25 कों प्रार्थी अपने काम से बाहर गया था, शाम कों वापस आकर देखा तो प्रार्थी की नाबालिग लड़की घर मे नहीं थी, जो घर से बिना किसी कों कुछ बताये कही चली गई है, जो आस पड़ोस रिस्तेदार मे पता तलाश करने पर भी नहीं मिल रही है,प्रार्थी द्वारा शंका व्यक्त किया गया है कि इसकी नाबालिग लड़की कों कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर भगा कर ले गया है,मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लखनपुर मे अपराध क्रमांक 193/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा अपहृत बालिका एवं मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से पीड़िता कों आरोपी रितेश सारथी आत्मज रामलाल सारथी उम्र 22 वर्ष साकिन अंधला थाना लखनपुर के कब्जे से बरामद किया गया है, जो महिला पुलिस अधिकारी द्वारा पीड़िता का कथन लेख किया गया जो पीड़िता अपने कथन मे बताई कि आरोपी रितेश सारथी पीड़िता कों शादी करने का झांसा देकर बहला फुसला कर भगा ले जाकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है, प्रकरण सदर मे धारा 64(2) (ड) बी.एन.एस. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2),6 जोड़कर मामले के आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा,सहायक उप निरीक्षक निर्मला कश्यप,सहायक उप निरीक्षक सिदयुस लकड़ा, प्रधान आरक्षक फलेन्द्र सिंह,आरक्षक जगेश्वर बघेल,राकेश एक्का,राज जायसवाल,पैमासी सिंह सक्रिय रहे

पुलिस ने फरार आदतन मवेशी तस्कर को झारखंड से गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

पिकअप वाहन छोड़कर गौ तस्कर आरोपी घटना के वक्त से था फरार

-संवाददाता-
रामचंद्रपुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर पुलिस ने फरार चल रहे आदतन गौ तस्करआरोपी जारत हुसैन पिता अमीन अंसारी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम बैलाझखड़ा गयाडीह थाना डंडई जिला गढ़वा झारखंड को गिरफ्तार कर भेजा गया सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार दिनांक 16.03.2025 को आरोपी जारत हुसैन पिता अमीन अंसारी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम बैलाझखड़ा गयाडीह थाना डंडई जिला गढ़वा झारखंड के द्वारा 11 रास गाय बैल बछड़ा को पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 03एके 1604 से बूचड़ खाना ले जा रहा था जिसे रामचंद्रपुर पुलिस द्वारा पीछा कर पकड़ने का प्रयास किया गया पर आरोपी वाहन छोड़ कर मौके से फरार हो गया था। पुलिस के द्वारा फरार आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी, आरोपी के संबंध में दिनांक 12.08.2025 को मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी जारत हुसैन पर गौ तस्करी के बलरामपुर जिले के साथ-साथ झारखंड के कई थानों में मामले दर्ज हैं : आरोपी जारत हुसैन के खिलाफ इसके पूर्व में थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर एवं जिला गढ़वा झारखंड के थाना डंडई, थाना धुरकी में अलग अलग प्रकरण मवेशी तस्करी का मामला दर्ज है। आरोपी के द्वारा अन्य साथियों के साथ संगठित होकर अनैतिक क्रियाकलाप के तहत गौ तस्करी के मामलों में शामिल होकर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक लाभ के उद्देश्य से मवेशी तस्करी कर रहे थे । आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 04./2025 धारा 4.6.10 पशु निषेध निवारण अधिनियम. पशु क्रूरता अधिनियम 11. 111 बी एन एस के तहत कार्रवाई कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सरगुजा पुलिस की बड़ी कार्रवाई ऑनलाइन सट्टा कांड में 14 वां आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

अवैध जुआ-सट्टा कारोबार के विरुद्ध सख्त अभियान चला रही सरगुजा पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। ऑनलाइन सट्टा कांड में पुलिस ने एक और आरोपी सूरज कुमार खटीक,उम्र 22 वर्ष,निवासी मायापुर, थाना कोतवाली अंबिकापुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को जांच के दौरान जानकारी मिली कि सूरज ने अपने नाम पर बैंक खाता खुलवाकर, उसे सट्टा खेलवाने वाले गिरोह को सौंप दिया था। बैंक खातों की जांच में लाखों रुपये के लेन-देन पाए गए। पूछताछ में सूरज ने स्वीकार किया कि उसने खाता पहले राहुल सोनी और बाद में सुधीर गुप्ता को ऑनलाइन सट्टा संचालन के लिए दिया था और इसके बदले नगदी रकम भी प्राप्त की थी। इससे पहले इस मामले में पुलिस ने कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर करोड़ों रुपये का सामान और उपकरण बरामद किया था। यह गिरोह सदर रोड स्थित साइकल स्टोर के पास से संचालित किया जा रहा था, जहां टीवी सेटअप लगाकर लाइव क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों में सरगुजा और सूरजपुर जिलों के युवक शामिल हैं। सभी पर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार और आरक्षक दीपक पांडेय की अहम भूमिका रही। सरगुजा पुलिस ने साफ किया है कि ऐसे अपराधों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस ने अपहरणकर्ता बलात्कार के आरोपी को चंद घंटे में गिरफ्तार कर कराई हवालात की सैर

-संवाददाता-
कोरंधा, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कोरंधा पुलिस ने बाजार से वापस घर लौट रही महिला को डरा धमकाकर अपहरण कर बलात्कार करने वाले आरोपी को रिपोर्ट प्राप्त होने चंद घंटे के भीतर थाना कोरंधा पुलिस ने गिरफ्तार कर कराई हवालात की सैर। जानकारी के अनुसारआरोपी अनुज तिग्गा निवासी महुआटोली थाना कोरंधा, जिला बलरामपुर रामानुज घटना दिनांक 06/08/2025 को पीड़ित महिला अपने 2 वर्ष के बच्चे के साथ कोरंधा बाजार आई हुई थी। शाम करीब 07/00 बजे आरोपी अनुज तिग्गा निवासी महुआटोली थाना कोरंधा के द्वारा पीड़िता को जान से मारने की धमकी देकर अपने साथ मोटर साइकिल पर बैठाकर सुनसान मकान में ले जा कर बलात्कार किया, बाद में आरोपी ने पीड़िता को रातभर अपने साथ में रखकर पीड़िता के साथ पुनः बलात्कार किया और अगली सुबह पीड़िता को रास्ते में छोड़कर भाग गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर दिनांक 11/08/2025 को घटना की सूचना कोरंधा पुलिस को देने पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 30/25 धारा 127(2), 351(2),64(2)(एम) बीएनएस पंजीबद्ध कर आरोपी अनुज तिग्गा निवासी महुआटोली थाना कोरंधा, जिला बलरामपुर रामानुजगंज को आज दिनांक 12/08/25 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया आरोपी गया सलाखों के पीछे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भटगांव में प्रसव के दौरान लापरवाही,महिला आरएचओ निलंबित

-संवाददाता-
सूरजपुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के भटगांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 9 अगस्त को एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया। ओड़गी विकासखंड की निवासी श्रीमती कुन्ती पंडो के प्रसव के समय प्रसव कक्ष में कोई भी चिकित्सक अथवा स्टाफ मौजूद नहीं था। यह घटना न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न उठाती है। मामले की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तुरंत संज्ञान लेते हुए उच्च अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देश पर जिला स्तरीय जांच समिति गठित कराई गई, जिसने जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भटगांव में कार्यरत आरएचओ (महिला) विक्टोरिया केरकेट्टा को दोषी पाया गया। जांच में लापरवाही की पुष्टि होने पर उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

इसके साथ ही ड्यूटी रोस्टर के अनुसार ड्यूटी पर तैनात अन्य मेडिकल ऑफिसर एवं स्टाफ नर्स पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए राज्य शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की लापरवाही को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनहित से जुड़ी सेवाओं में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरगुजा जिले के वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी अन्तर्राष्ट्रीय योग श्री अवार्ड से हुए सम्मानित

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

प्रबुद्ध सोसायटी,भीखू संघ एवं इन्डियन एक्यूप्रेशर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान् में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय मिलन एवं सम्मान समारोह म्यांमार बुद्ध बिहार कुशीनगर उत्तर प्रदेश में समाज सेवा,शिक्षा,योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े चयनित चौबीस समाजसेवियों को मुख्य अतिथि डॉ भदन्त ज्ञानेश्वर के कर कमलों से सम्मान दिया गया। योग एवं समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सेवारत श्री अजय तिवारी कर्मयोग राज्य समन्वयक आर्ट ऑफ लिविंग छत्तीसगढ़ को अन्तर्राष्ट्रीय योग श्री अवार्ड 2025 प्रदान किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी जी छत्तीसगढ़ राज्य से अलंकृत होने वाले वरिष्ठ समाजसेवी हैं। अन्तर्राष्ट्रीय योग श्री अवार्ड से सम्मानित होना छत्तीसगढ़ में अम्बिकापुर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी को सम्मानित किया जाना छत्तीसगढ़ एवं सरगुजा वासियों के लिए गर्व की बात है। सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों,आध्यात्मिक संगठन,नागरिकों,योग से जुड़े सदस्यो ने वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

आत्महत्या के दुष्प्रेरण का आरोपी गिरफ्तार

थाना धौरपुर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों मे शामिल आरोपियों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं,इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि मृतिका बसंती सिंह अपनी मर्जी से रामदयाल दास के साथ बतौर पति पत्नी के रूप में करीबन 03 वर्ष से रह रही थी। दोनों के मध्य आपसी परिवारिक बात को लेकर अक्सर लडाई झगडा होते रहता था और पति द्वारा मारपीट किया जाता था इस दौरान मृतिका का पति रामदयाल दास मृतिका बसंती सिंह कों मरने के लिए उकसाते रहता था कि घटना दिनांक 14/07/25 के दोपहर को भी आरोपी रामदयाल दास के द्वारा मृतिका बसंती के साथ मारपीट किया गया था जिससे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित होकर, उसके पति द्वारा उकसाने पर मृतिका अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी,मामले मे मर्ग जांच पश्चात आरोपी रामदयाल दास के विरुद्ध थाना धौरपुर मे अपराध क्रमांक 30/25 धारा 108 बी.एन.एस. एवं एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2-वी) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान जांच पुलिस टीम द्वारा मृतिका के शव का पीएम कराया गया एवं मामले के आरोपी रामदयाल दास को पकड़ कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम रामदयाल दास आत्मज सुखराम दास उम्र 27 साल साकिन सखौली थाना धौरपुर का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया,आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ,जुझारू,महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता :- कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना
शनि मंदिर के पास,नमनाकला,अम्बिकापुर
छत्तीसगढ़, मो0नं0 - 98265-32611

भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट अगले महीने से

रिपोर्ट में दावा-भारत ने एयरलाइन कंपनियों से तैयारी करने कहा, कोरोनाकाल से बंद है

नई दिल्ली/बीजिंग,12 अगस्त 2025। भारत और चीन अगले महीने की शुरुआत में सीधी फ्लाइट सर्विस शुरू कर सकते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसे दोनों देशों के रिश्तों में सुधार का संकेत माना जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत सरकार ने एअर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइनों से कहा है कि वे चीन के लिए तुरंत उड़ानें शुरू करने के लिए तैयार रहें। कोरोना काल के बाद यह सर्विस बंद हो गई थी। इसके बाद जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष ने दोनों देशों के रिश्तों को और खराब कर दिया था।

कोरोना के पहले हर महीने 539 सीधी उड़ानें थीं: कोरोना महामारी से पहले दोनों देशों के बीच हर महीने 539 सीधी उड़ानें हुआ करती थीं। इनकी कैपेसिटी कुल मिलाकर 1.25 लाख सीटों से ज्यादा थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया, चाइना साउदर्न एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस जैसी कंपनियां शामिल थीं। उड़ान सेवा निलंबित रहने के बाद दोनों देशों के यात्री बांग्लादेश, हॉन्गकॉन्ग, थाइलैंड और सिंगापुर जैसे कनेक्टिंग हब के जरिए यात्रा करते थे। हालांकि यह यात्रा महंगी पड़ती थी। एयर ट्रैफिक की जानकारी देने वाली कंपनी सिरियम के मुताबिक जनवरी-अक्टूबर 2024 के बीच भारत-चीन की यात्रा करने वाले लोगों की संख्या 4.6 लाख थी। वहीं, 2019 के शुरुआती 10 महीने में यह आंकड़ा 10 लाख था। जनवरी से अक्टूबर 2024 के बीच वाया हॉन्गकॉन्ग 1.73 लाख, वाया सिंगापुर 98 हजार, वाया थाईलैंड 93 हजार, वाया बांग्लादेश 30 हजार लोगों ने दोनों देशों की यात्राएं कीं।

गलवान घाटी में झड़प के बाद बिगड़ थे दोनों देशों के रिश्ते : 15 जून 2020 को चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था। इसके बाद कई जगह पर घुसपैठ की घटनाएं हुई थीं। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे।

हालात इतने खराब हो गए कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गोलियां चलीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। बाद में भारत ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया था। इसमें 40 चीनी सैनिक मारे गए थे।

इसके बाद दोनों देशों से रिश्तों में बड़ा तनाव देखने को मिला था। हालांकि पिछले रूस के कजान में जी20 समिट के दौरान मोदी और जिनपिंग की मुलाकात से दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने की शुरुआत हुई है।

भारत-चीन समझौते की नींव कजान में पड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पिछले साल अक्टूबर में 5 साल बाद कजान में मिले थे। तब दोनों देशों ने आपसी संबंधों की स्थिति पर चर्चा की और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कुछ कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इसके बाद से पिछले 3 महीने में चीन-भारत सीमा के विवादित इलाके डेमचोक और देपसांग से दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा और फ्लाइट सर्विस शुरू करने जैसे फैसले हुए।

भारत-चीन संबंधों में हो रहा सुधार

गलवान झड़प के बाद भारत ने चीनी निवेश पर पाबंदियां लगाईं, चीन से आयात पर सख्त निगरानी की और महामारी के दौरान सीधी उड़ानें भी रोक दीं। हालांकि, हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और तनाव कम करने के संकेत मिले हैं। भारत सरकार ने 24 जुलाई से चीनी पर्यटकों को फिर से वीजा देना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि भारत ने गलवान घटना के बाद सभी पर्यटक वीजा को भी निलंबित कर दिया था।

भारत पर टैरिफ,रूस के लिए झटका,इस हफ्ते पुतिन से मिलेंगे कहा...डील होगी या नहीं 2 मिनट में पता चल जाएगा : ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी,12 अगस्त 2025 । अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए एक्स्ट्रा 25% टैरिफ को मॉस्को के लिए झटका बताया है। सोमवार को व्हाइट हाउस से बयान देते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका जब रूस से तेल खरीदने वाले उसके सबसे बड़े (चीन) या दूसरे सबसे बड़े (भारत) तेल खरीदार पर 50% टैरिफ लगाने की बात कहता है, तो यह रूस के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी टैरिफ ने रूस की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। ट्रम्प यूक्रेन में सीजफायर के मुद्दे पर इस हफ्ते पुतिन से मुलाकात करने वाले हैं। इस पर उन्होंने कहा हम पुतिन से मुलाकात करेंगे, और बैठक के पहले दो मिनट में ही मुझे पता चल जाएगा कि सौदा हो सकता है या नहीं। पुतिन से मुलाकात से पहले जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं से बात करेंगे ट्रम्प ने कहा है कि वे पुतिन से मिलने से पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा, मैं यूरोपीय नेताओं से बात करूंगा, जेलेंस्की से भी चर्चा होगी। सबकी राय लेकर मैं पुतिन से मुलाकात में पूरी तैयारी के साथ जाऊंगा और देखेंगे क्या होता है। ट्रम्प ने यूरोपीय नेताओं की तारीफ करते हुए कहा कि वे युद्ध से थक चुके हैं और चाहते हैं कि अपने देशों पर पैसा खर्च करना शुरू करें। ट्रम्प ने कहा कि उनका यूरोप के नेताओं से बेहद अच्छा रिश्ता है।

अलास्का में होगी ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद यूक्रेन में साढे तीन साल से चल रहे जंग को खत्म करना है। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात होती है तो यह पहली बार होगा जब दोनों नेता अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे। रूस ने पहले पुतिन और ट्रम्प की मुलाकात के लिए यूएई का सुझाव दिया था। हालांकि बाद में ट्रम्प ने बैठक के लिए अलास्का को चुना। अलास्का उत्तरी ध्रुव के नजदीक कनाडा से सटी वो जगह है जो कभी रूस का हिस्सा हुआ करती थी। 158 साल पहले रूस ने इसे अमेरिका को सिर्फ 45 करोड़ रुपए में बेच दिया था।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में भारत : अमेरिका ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और कई प्रोडक्ट्स पर 50% टैरिफ (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाया है। अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50% तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। ट्रम्प ने 31 जुलाई को सभी भारतीय प्रोडक्ट्स पर 25% टैरिफ लगाया था। इसके बाद फिर 6 अगस्त को रूस से ऑयल इम्पोर्ट को लेकर भारत पर 25% का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था।

फरवरी से चल रहा स्टील और एल्युमिनियम विवाद : स्टील और एल्युमिनियम विवाद फरवरी से चल रहा है, जब ट्रम्प प्रशासन ने इन मेटल्स पर 25त्न टैरिफ लगाया था। जून में इस ड्यूटी को बढ़ाकर 50% कर दिया गया। इससे कम से कम 7.6 बिलियन डॉलर,यानी 66,559 करोड़ रुपए के इंडियन एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है। भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन यानी डब्ल्यूटीओ में कहा था कि अमेरिका के कदम को नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर छिपाया गया है,जबकि असल में ये डब्ल्यूटीओ के नियमों के उलट सेफगार्ड ड्यूटी हैं। वहीं अमेरिका ने इस मामले में बातचीत करने से मना कर दिया। इसके बाद भारत ने अब डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत पलटवार की कानूनी तैयारी कर ली है। एक सूत्र के हवाले से बताया कि अमेरिका भारत के साथ इस विवाद को अपने शर्तों पर सुलझाने की कोशिश कर रहा है। जिससे भारत के पास पलटवार के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं बचा है। भारत अमेरिका के स्टील और मेटल से जुड़े अन्य प्रोडक्ट्स पर 50त्न तक टैरिफ लगा सकता है। भारत को अमेरिका 45 बिलियन डॉलर (3.94 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का एक्सपोर्ट करता है। वहीं, हालिया टैरिफ से पहले भारत का अमेरिका को एक्सपोर्ट 86 बिलियन डॉलर (7.53 लाख करोड़ रुपए) का था।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ की धमकी जामनगर रिफाइनरी को उड़ा देंगे

अमेरिका में कहा था...हम डूबे तो आधी दुनिया को ले डूबेंगे

टेक्सास,12 अगस्त 2025 । पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असिम मुनीर ने गुजरात में रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर रिफाइनरी को निशाना बनाने की धमकी दी है। ये दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-साइट रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स है। 10 अगस्त को फ्लोरिडा के टेम्पा में डिनर के दौरान मुनीर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में बताया, जिसमें कुरान की आयत के साथ रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी की तस्वीर थी। मुनीर ने कहा था, अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। मुनीर ने दावा किया कि हाल के भारत-पाक संघर्ष के दौरान उन्होंने इस पोस्ट को जारी करने की मंजूरी दी थी ताकि भारत को दिखाया जाए कि अगली बार हम क्या करेंगे। इसे हमले की चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

मुकेश अंबानी से जुड़े पोस्ट का जिक्र किया : मुनीर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया, जिसमें रिलायंस अध्यक्ष मुकेश अंबानी को कुरान की एक आयत (सूरह अल-फिल) के साथ दिखाया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आयत की व्याख्या कई लोग हवाई हमले की चेतावनी के रूप में करते हैं। मुकेश अंबानी का नाम लेकर मुनीर ने एक ऐसे व्यक्ति की ओर इशारा किया जो भारत की आर्थिक ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने परमाणु हमले की धमकी भी दी, ताकि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश को अस्तित्व का खतरा न हो। इसके अलावा मुनीर ने भारत को परमाणु जंग की भी धमकी दी थी । मुनीर ने सिंधु जल संधि स्थगित करने को लेकर भारत पर 10 मिसाइलों से हमला कर तबाह करने की बात कही। मुनीर ने कहा, भारत के इसे स्थगित करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।

यूएनएससी में भारत ने दोहराया संकल्प,स्वतंत्र और मुक्त समुद्री व्यवस्था के लिए जताई प्रतिबद्धता

संयुक्त राष्ट्र,12 अगस्त 2025। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की समुद्री सुरक्षा पर उच्च स्तरीय बहस में भारत ने एक बार फिर स्वतंत्र, खुली और नियम-आधारित' समुद्री व्यवस्था को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को दोहराया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने सोमवार को इस बहस में भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि समुद्री सुरक्षा एक साझा चुनौती है, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के सिद्धांतों के अनुसार समुद्री व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। समुद्री मार्गों के जरिए वैश्विक व्यापार,ऊर्जा आपूर्ति और संचार जैसे अहम क्षेत्र जुड़े हैं, इसलिए इस क्षेत्र में भारत की भी बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी है। तन्मय लाल ने बताया कि भारत के पास 11,000 किमी से अधिक लंबा समुद्री तट और लगभग 1,300 द्वीप हैं, साथ ही 2.3 मिलियन वर्ग किमी का विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) भी है। ऐसे में समुद्री सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और पर्यावरणीय संतुलन भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समुद्री सुरक्षा नीति %महासागर% का भी जिक्र किया, जिसका मतलब है सभी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति। इसके तहत क्षेत्रीय सहयोग, पारदर्शिता और सुरक्षा को बढ़ावा दिया जाता है। तन्मय लाल ने आगे बताया कि भारत ने पहले से ही समुद्री क्षेत्र में कई अहम पहलें शुरू की हैं। इसमें आईएफसी-आईओआर यानी इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर- इंडियन ओशन रीजन शामिल है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में निगरानी और सूचना साझा करने का काम करता है। इसके अलावा, ई-समुद्र नाम का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म जल्द शुरू होगा, जो समुद्री गतिविधियों की रीयल टाइम निगरानी और पारदर्शी प्रशासन में मदद करेगा। इसके साथ उन्होंने बताय कि भारत ने हाल ही में समुद्र प्रचेत नामक एक स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत भी लॉन्च किया है, जो समुद्री पर्यावरण की रक्षा करेगा।

हर घर तिरंगा,हर घर स्वच्छता अभियान अंतर्गत उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायतों में तिरंगा रैली का आयोजन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,12 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत आज उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत घुचापुर, सलवा और देव टिकरा में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ग्रामीणों में देशभक्ति की भावना जागृत करना तथा स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। रैली में ग्रामवासियों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्कूल के छात्र-छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिला स्व-सहायता समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा रैली का आयोजन सुबह निर्धारित समय पर रैली की शुरुआत पंचायत भवन से हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय, वंदे मातरम और स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के नारे लगाए। रैली गांव के मुख्य मार्गों से होती हुई पुनः पंचायत भवन पर समाप्त हुई। तिरंगा रैली के अंत में सभी उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान जनपद पंचायत के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे 15 अगस्त तक अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रप्रेम का संदेश दें तथा स्वच्छता के लिए लोगों को प्रेरित करें।

साईं स्टेशनरी दुकान में चोरी का खुलासा,तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,12 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र में स्थित साईं ऑफसेट एवं स्टेशनरी दुकान से 1 लाख रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। प्रार्थी क्रांति कुमार रावत निवासी उदयपुर ने 7 अप्रैल को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 4 अप्रैल को रात दुकान बंद कर घर जाने के बाद अगली सुबह जब वह दुकान पहुंचा, तो काउंटर में रखा 1 लाख रुपये गायब मिला। प्रार्थी ने संदेह जताया था कि पूर्व में दुकान में काम कर चुका खोडरी निवासी दबेल दास चोरी में शामिल हो सकता है,क्योंकि वह पहले भी शादी कार्ड चोरी के मामले में संलिप्त पाया गया था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दबेल दास को गिरफ्तार कर उससे 20,000 रुपये नगद बरामद किए थे। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस टीम ने फरार अन्य आरोपियों की तलाश की। पूछताछ के दौरान दो अन्य

आरोपी मान साय उर्फ मोटू, निवासी केशगवा,राजू मरावी, निवासी बंजारी,कोरबा को गिरफ्तार किया गया। दोनों ने चोरी की घटना स्वीकार की और उनके कब्जे से चोरी में प्रयुक्त सब्बल भी बरामद किया गया। मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी शिशिरकांत सिंह, उप निरीक्षक आभाष मिंज,प्रधान आरक्षक संजय नागेश तथा आरक्षक सूरजबली,हेमंत लकड़ा,अजय शर्मा एवं रविंद्र साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब मामले में और गहन जांच कर रही है।

खंड चिकित्सा अधिकारी ने विधायक पर लगाया मारपीट का आरोप, मामला गरमाया

-संवाददाता-
बतौली,12 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

बतौली के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) संतोष सिंह ने सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो पर मारपीट और गाली-गलौज करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामला दो दिन पूर्व की एक सड़क दुर्घटना से जुड़ा है, जिसमें घायलों को समय पर एंबुलेंस सुविधा नहीं मिल पाई थी। इस अव्यवस्था से नाराज होकर विधायक टोप्पो अस्पताल पहुंचे और स्वास्थ्य व्यवस्था पर नाराजगी जताई। विधायक ने खंड चिकित्सा अधिकारी संतोष सिंह पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके निलंबन की अनुशंसा की थी। इसके बाद बीएमओ संतोष सिंह ने विधायक पर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाया। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि विधायक ने अस्पताल के एंबुलेंस चालक के साथ भी अभद्रता और मारपीट की। बीएमओ भी ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें निलंबित किया गया, तो समस्त स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर चले जाएंगे। इस घटना से स्वास्थ्य विभाग और राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक जांच की मांग उठ रही है।

छत्तीसगढ़ में आरक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा हेतु पंजीयन अनिवार्य पंजीयन की अंतिम तिथि 27 अगस्त 2025 शाम 5 बजे तक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,12 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय,छत्तीसगढ़ द्वारा जिला पुलिस बल में आरक्षक संवर्ग के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के तहत दस्तावेज़ सत्यापन, शारीरिक माप-तौल एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा पूर्ण हो चुकी है। अब पात्र अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आयोजित की जाएगी। व्यापम के निर्देशानुसार, लिखित परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए पात्र अभ्यर्थियों को व्यापम की वेबसाइट में प्रोफाइल पंजीयन कर, परीक्षा केंद्र हेतु जिले का चयन कर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। बिना आवेदन के पंजीयन नंबर व रोल नंबर जारी नहीं होंगे और प्रवेश पत्र भी प्राप्त नहीं होगा। पंजीयन न करने पर परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाएंगे,जिसकी जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन 5 अगस्त से प्रारंभ हो चुके हैं, जिसकी अंतिम तिथि 27 अगस्त 2025 शाम 5 बजे तक है। परीक्षा 14 सितंबर 2025 को प्रदेश के 5 संभागीय मुख्यालयों में आयोजित होगी। प्रवेश पत्र 8 सितंबर से वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। भर्ती नियम,पाठ्यक्रम एवं परीक्षा निर्देश की विस्तृत जानकारी व्यापम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष है। परीक्षा चयन के नाम पर किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं और किसी भी प्रकार की जालसाजी या आर्थिक लेन-देन से दूर रहें। यदि कोई व्यक्ति भर्ती कराने के नाम पर प्रलोभन देता है तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना/चौकी या पुलिस अधीक्षक, जिला सरगुजा को दें। पुलिस मुख्यालय ने आवेदन संबंधी समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 0771-2972780 जारी किया गया है।

'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा,कार्यकर्ता घर घर तिरंगा लगाएं गांव में निकालें तिरंगा यात्रा

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

जनसहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है,कार्यकर्ता घर-घर तिरंगा लगाएं गांव में निकालें तिरंगा यात्रा:देवेंद

-रवि सिंह-

कोरिया/सोनहत,12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में मंगलवार को भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया यह आयोजन सोनहत ब्लॉक मुख्यालय स्तर पर किया गया तिरंगा यात्रा में सोनहत विकासखंड के अलग अलग ग्रामीणों में भारी संख्या में लोग शामिल हुए देशभक्ति से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा सोनहत मुख्य मार्ग पर काफी शोभायमान प्रतीत हो रही थी इस दौरान लोग हाथ में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक यात्रा में शामिल हुए, यात्रा के दौरान भारत माता की जय,वंदे मातरम और जय हिंद के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा,यात्रा के दौरान जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा,यह यात्रा न केवल तिरंगे के प्रति सम्मान है,बल्कि यह हमारे शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है,यह अभियान देश की एकता,अखंडता और संप्रभुता को सशक्त बनाने का प्रतीक है,जिसका उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना का संचार करना,जनसहभागिता के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। तिवारी ने बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं, मातृशक्ति एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कम समय में इतनी बड़ी भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता एकजुट होकर राष्ट्र के लिए खड़ी है, उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट किया।

बस स्टैंड प्रांगण में सभा का आयोजन

सोनहत के बस स्टैंड प्रांगण में आम सभा का भी आयोजन किया गया सभा को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है. यह अभियान उन शहीद जवानों को समर्पित है, जिन्होंने अपनी शहादत से राष्ट्र का मान बढ़ाया है,उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के कुशल नेतृत्व में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त किया गया,इस तिरंगा यात्रा में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता यह संदेश देती है कि भारत एक है,और राष्ट्रहित में सभी नागरिक एकजुट हैं।

कार्यकर्ताओ के संघर्ष से हमारी सरकार बनी

सभा के दौरान जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की भी तारीफ की और और उनको विपक्षी काल के संघर्स को याद किया तिवारी ने कहा कि हम किसी को भी भूल सकते है लेकिन कार्यकर्ताओ और जनता की लड़ाई लड़ने वाले लोगो को नही। भूल सकते जिनके दम पर आज हमारी सरकार हमारे नेता इस क्षेत्र से विजयी हुए हैं आगे कहा कि ये मोदी जी का भारत है ये नया भारत है यहां पर काम करके दिखाना पड़ता है,और हमारी सरकार ने दिखाया है ये विष्णु का सुशासन यहां भ्रष्टाचार बर्दास्त नही किया जाएगा भ्रष्टाचारियों को ये पता होना चाहिए कि ये मोदी जी का भारत है जो डोनाल्ड ट्रम्प की कुर्सी हिला देता है।

कितनी भी ऊँचाई पर पहुँचो ओर जमीन मत छोड़ो

जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा कि कितनी भी ऊँचाई पर क्यों न पहुच जाओ पर कभी भी जमीन मत छोड़ो क्योंकि आपको वापस जमीन पर ही आना है। ये नया भारत है ये नया समाज है यहां भय और अहंकार के दम पर कोई शासन नही कर सकता है,अहंकार के दम पर शासन करने वाले सत्ता आने को तरस रहे हैं अब समय आ गया है सोनहत के लोग भी एक होकर विकास के रस्ते पर चल निकले देवेंद्र तिवारी ने कहा कि 104 गांव का सोनहत शांति प्रिय सोनहत है एक दूसरे से मिल कर चलने वाला सोनहत है निवेदन करता हु सारे के सारे लोग एक रहिए विकास के लिए क्षेत्र की मजबूती के लिए जहां कही भी आपको जरूरत पड़ेगी देवेंद्र आपके साथ खड़ा मिलेगा,सोनहत में अहंकार व नकारात्मक विचारधारा का कोई स्थान नही है।

घर-घर तिरंगा लगाने किया आह्वान

देवेंद्र तिवारी ने उपस्थित जन समूह से आह्वान कर कहा कि गांव-गांव में तिरंगा लेकर जाइये,स्वतंत्रता दिवस के पूर्व घर घर तिरंगा लगाना है आजादी का जश्न मनाना है, और देश प्रेम की भावना को चरितार्थ करना है देवेंद्र ने कहा मैं यही जन्मा यही पढ़ा यही बढ़ा तभी से मेरा सोनहत से नाता है मैं यहां का बेटा हु हर घर से मेरा व्यक्तिगत रिश्ता है यात्रा में जनप्रतिनिधि, पंचायत एवं आम नागरिक, बच्चे, महिलाएं,बुजुर्ग,युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए और देश के प्रति अपनी एकजुटता एवं सम्मान प्रकट किया, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी,जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी सोनपाकर, जिला मंत्री शारदा गुप्ता,ईश्वर राजवाड़े,जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,मंडल अध्यक्ष राजाराम राजवाड़े,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हितेश सिंह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सतेन्द्र राजवाड़े, महामंत्री मनोज साहू,सुरेश राजवाड़े,रामप्रताप सिंह, नवरतन पाण्डेय, सुभाष जायसवाल,दीपक जायसवाल,सहादुर कमलवंशी,जनपद सदस्य,आलेश्वरी गौतम,सोनिया राजवाड़े,रमेश तिवारी,जयकरण यादव,सुरेश तिवारी,हरिश्चंद्र राजवाड़े, अवध यादव,राजू साहू, भीम राजवाड़े,जयप्रकाश रजवाड़ी, रामू राजवाड़े,रिंकू राजवाड़े,सोनू प्रजापति,जतन साय पैकरा, दीना नाथ,राज नारायण,कमला गुप्ता,रमेश राजवाड़े,सुमिन्त राजवाड़े,होलिका राजवाड़े,दिलीप राजवाड़े,राजू साहू,रमेश चेरवा,राम प्रताप खैरवार,राकेश राजवाड़े,सोनिया राजवाड़े, महेश्वर राजवाड़े,अनिल देव,राधे श्याम साहू,मुद्रीका जायसवाल,भोला यादव,मनोज साहू,श्यामवती,संपत प्रजापति,राजेंद्र राजवाड़े,टिकेश्वर राजवाड़े,मोहन यादव,रोशन राजवाड़े,दीपक सिंह,डाकू रजवाड़ी,चैन राजवाड़े,विक्की सारथी,जान साय सोनपाकर,लक्ष्मी राजवाड़े,लक्ष्मी रवि, नंदलाल राजवाड़े,बाबूलाल प्रजापति,सुशीला राजवाड़े,राम कुशल,कौशल राजवाड़े,आसान राजवाड़े,शिवचंद चेरवा, अनिल जायसवाल, अभिषेक साहू,नवीन बघेल,सतेंद्र यादव,सुभाष सोनपाकर,राम राजवाड़े,आशान,अनुज,गणेश्वर।

भव्य तिरंगा यात्रा के आयोजन की शुरुआत खड़गवां से और समापन चिरमिरी में,स्वास्थ्य मंत्री हुए शामिल

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। आज का कार्यक्रम कोई राजनैतिक कार्यक्रम नहीं है। पूरे देश में तिरंगा यात्रा बड़े भाव के साथ निकाला जा रहा है और सिर्फ इसलिए निकला जा रहा है, कि हमारी जो पीढ़ियाँ है, देश की जो 150 करोड़ की आबादी है,वे सभी तिरंगे के मोल को पहचान सके। देश के लाखों लोगों के बलिदान स्वरूप प्राप्त तीन रंगों का यह झंडा देश की अस्मिता का प्रतीक है। श्री जायसवाल ने कहा कि कई सालों की लड़ाई के बाद 15 अगस्त 1947 को प्राप्त प्रतीक झंडा तिरंगा के रूप में हमे मिला और आज हम इसी तिरंगे की आन,बान शान को लेकर तिरंगा यात्रा निकाले है, तथा देश की पीढ़ियों को तिरंगे की पहचान बताने कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किए जा रहे है उक्त बाते स्थानीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बड़ा बाजार दुर्गा पंडाल में तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर कही।

ज्ञात रहे कि भारतीय जनता पार्टी खड़गवां मंडल की ओर से आज सुबह 11 बजे हाई स्कूल खड़गवां से पैदल भव्य तिरंगा यात्रा की शुरुआत हुई और जनपद पंचायत खड़गवां के जय स्तंभ स्मारक में समापन किया गया। इस पैदल तिरंगा यात्रा में भारी संख्या में स्कूली बच्चे हाथों में भारत माता का ध्वज लेकर भारत माता की जय, हिंदुस्तान अमर रहे, भारत के बीर सपूत जिंदाबाद के नारे पूरी यात्रा के दौरान लगाते रहे, इन बच्चों ने आज भारत देश के शहीद जवानों को तिरंगा यात्रा के माध्यम से याद किया । इस दौरान क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल खुद तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते देखे गए, श्री बिहारी के साथ खड़गवां भाजपा मंडल अध्यक्ष सहित मंडल के पदाधिकारी,महिला मोर्चा और

स्थानीय जन यात्रा में बढ़-चढ़ कर अपना योगदान दिए। इसी तरह एमसीबी जिले के चिरमिरी मंडल में भी भव्य तिरंगा यात्रा दोपहर 2 बजे बड़ा बाजार के भाजपा कार्यालय से शुरू की गई।चिरमिरी की यह तिरंगा यात्रा बाइक रैली के रूप में निकाली गई जहां लगभग हजारों की संख्या में बाइक पर सवार भारत माता के सपूत शामिल रहे। यहां भी विशेष रूप से क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, चिरमिरी के प्रथम नागरिक रामनरेश राय, निगम सभापति संतोष सिंह, पूर्व सभापति श्रीमती सुनीता सिंह, पूर्व महापौर डमरू बेहरा,जमुना पांडे,विधायक प्रतिनिधि राजू नायक,राम लखन सिंह, अभय जायसवाल की गरिमामय उपस्थिति में तिरंगा यात्रा का सफल आयोजन संपन्न हुआ। उक्त तिरंगा यात्रा में मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर एवं मंडल महामंत्री धर्मेंद्र त्रिपाठी व रीत जैन ने सभी प्रदेश,जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों,शक्ति केंद्र व बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं,जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय सम्माननीय नागरिकों की मौजूदगी,तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक कार्यक्रम का रूप देने में सफल रहा। विदित हो कि चिरमिरी भाजपा मंडल द्वारा आयोजित तिरंगा बाइक रैली भाजपा चिरमिरी मंडल कार्यालय के पास से शुरू होकर यात्रा गोदरीपारा मुख्य मार्ग,डोमनहिल, हल्दीबाड़ी,पं. दीनदयाल चौक होते हुए पुनः हल्दीबाड़ी,बड़ा बाजार के दुर्गा पूजा पंडाल तक पहुंची,जहां आमसभा के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल और चिरमिरी भाजपा मंडल के पदाधिकारी यात्रा के दौरान सभी चौक चौराहों में स्थापित देश के महापुरुषों और शहीद जवान राजेश पटेल के शहीद स्मारक में माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित किए। समापन समारोह के दौरान आम सभा को संबोधित करते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि आज का यह तिरंगा यात्रा उस भाव को दर्शाता है,जब हमारे देश के जवान माइनस 42 डिग्री में भी चौकन्ना रहते हुए सरहदों पर देश की सुरक्षा के लिए तैनात रहते है। इसके साथ ही श्री जायसवाल ने अंत में उपस्थित सभी से मोटरसाइकिल चलाते समय

महिला से दुष्कर्म एवं मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। विगत 11 अगस्त 2025 को चौकी कोरबी क्षेत्र की एक पीड़िता ने उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 10 अगस्त 2025 को वह अपने मौसी के घर जाने, ग्राम सेंधा से बस पकड़ने हेतु खड़ी थी। उसी समय आरोपी शिव भजन मार्को, पिता स्व. मार्को, उम्र 38 वर्ष, निवासी बागबुडी, चौकी कोरबी, थाना पसान, जिला कोरबा (छ.ग.), वहां पहुंचा और चलो, मैं घर छोड़ देता हूं कहकर अपनी स्कूटी पर बैठा लिया। आरोपी पीड़िता को रास्ते मे पडने वाले मार्टिन जंगल में ले जाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए , पीड़िता की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 149/2025, धारा 64(1), 87, 115(2)के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को उसी दिन शाम 20:30 बजे गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है । महिला संबंधी अपराध होने से पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी व्दारा संज्ञान ले कर गंभीर अपराध मे शीघ्र ही आरोपी की गिरफ्तारी हेतु निर्देश पर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर एवं अनुभागीय अधिकारी पंकज ठाकुर के दिशा-निर्देश-मार्गदर्शन में तीव्र कार्यवाही की गई। कार्यवाही में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में एएसआई सुरेश जोगी, आरक्षक क्रमांक 584 संजय साहू, 627 भीषम नारंग,669 विक्रम,689 रितेश शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-अम्बिकापुर

प्रथम निविदा आमंत्रण
विज्ञापन क्रं:-140

छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र - अम्बिकापुर अंतर्गत सिविल संभाग, विद्युत संभाग एवं प्रक्षेत्र कार्यालयों का कार्य संपादन के लिए प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से मानव संसाधन (मेन पावर) उपलब्ध कराने हेतु निविदा दिनांक 01.09.2025 तक एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग - अम्बिकापुर के मो.नं. 9424209101 पर संपर्क करें।

जी नंबर-44882/3 उपायुक्त

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 7.08.2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग- स.क्रं. 1 मनेन्द्रगढ़, स.क्रं. 2 अम्बिकापुर संभाग
03. स.क्र. 1 एवं 2 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि स.क्र. 1 - 18.08.2025, स.क्रं. 2 - 27.08.2025

स0 क्रं0	एन.आई.टी. क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
2	155	जिला एमसीबी के आंधीबर से लोहारपारा पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 1.32 कि.मी.) पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	143.92
3	156	जिला सरगुजा के विकासखण्ड उदयपुर में हायर सेकेण्ड्री स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित) (प्रथम आमंत्रण)	117.30

जी नंबर-252602747/5

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक
जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

// संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रं0 01//

कं0/पुअ/बल/एसी-1/निविदा/एम/2176/2025 दिनांक 10.08.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से भण्डार क्रय नियम 2002 छ0ग0 शासन के नियमानुसार पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के नाम पर खुली निविदा दर के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाती है। कोरे भाव पत्रक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर से आवेदन प्रस्तुत कर (आयकर / वाणिज्य कर/चुकता एवं अधिकृत विक्रेता प्रमाण पत्र सहित) कोरे निविदा प्रपत्र की राशि 0055 पुलिस, 800 अन्य प्राप्तियां के अंतर्गत चालान के माध्यम से जमा कर कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किये जा सकते है । अमानत राशि एफ.डी.आर. के रूप में स्वीकार की जावेगी।

1.निविदा प्रपत्र ब्रिकी दिनांक - दिनांक 15.09.2025 के कार्यालयीन समय तक ।
2.निविदा प्रपत्र जमा करने का दिनांक - दिनांक 16.09.2025 को सायं 3.00 बजे तक।
3. निविदा प्रपत्र खोलने का दिनांक - दिनांक 16.09.2025 को सायं 4.00 बजे तक।

क्रं0	स्थान का नाम	कार्य का नाम	प्राप्त बजट आवंटन राशि
1	रक्षित केन्द्र बलरामपुर	रक्षित केन्द्र बलरामपुर में रिब्राउनिंग कक्ष निर्माण कार्य ।	13,14,000/-
2	रक्षित केन्द्र बलरामपुर	रक्षित केन्द्र बलरामपुर परिसर में निर्मित अराजपत्रित मेस में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य ।	12,13,000/-

नोट -1. कार्य के लिये अमानत राशि सारणी अनुसार उक्त कार्य के लिए क्रमशः 39420/- एवं 36390/- रूपये का एफडीआर जमा करना होगा । निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00, कार्यावधि 90 दिवस वर्षाकाल सहित है एवं निविदाकर वर्ग डी एवं उससे अधिक का होना अनिवार्य है। निविदा प्रपत्र भारतीय स्टेट बैंक के शाखा में 0055 पुलिस हेड (मिसलेनियस) में चालान कटा होने पर विक्रय किया जावेगा।
2. निविदाएं सीलबंद लिफाफा में प्रस्तुत करना होगा, जिसके भीतर प्रथम लिफाफा में अमानत राशि, द्वितीय लिफाफा में भावपत्र रहेगा। 3. शर्ते एवं जानकारी इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्राप्त करें।
4. किसी भी प्रकार के वाद की स्थिति में पुलिस अधीक्षक का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा ।

जी नंबर-252602750/2

पुलिस अधीक्षक
बलरामपुर-रामानुजगंज

क्या सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य अपनी जमीन बनाने में थे व्यस्त

इस वजह से महाविद्यालय की भूमि आज तक नहीं हुई महाविद्यालय के नाम जमीन ?

- अविभाजित मध्यप्रदेश व अविभाजित सरगुजा के समय के बैकुंठपुर महाविद्यालय की पुरानी भवन अन्य विभाग को देने की तैयारी
- जिस पुरानी महाविद्यालय भवन की जमीन वर्तमान महाविद्यालय के नाम होने का आदेश 1986 में किया गया, वह जमीन आज तक महाविद्यालय के नाम क्यों नहीं हुई ?
- पुराने प्राचार्य की लापरवाही व वर्तमान प्राचार्य की उदासीनता की वजह से महाविद्यालय की जमीन किसी और विभाग को हो सकती है आवंटित
- यदि महाविद्यालय के कब्जे वाली जमीन किसी अन्य विभाग को हो जाती है आवंटित तो महाविद्यालय को जमीन का हो सकता है अभाव
- महाविद्यालय की पुरानी बिल्डिंग में संचालित होते हैं कई विषय के कक्षाएं
- यदि महाविद्यालय की भूमि अन्य विभाग को आवंटित की गई तो आने वाले समय में अन्य संकायों के खुलने से भवन के लिए भूमि कहां से आएगी
- वर्तमान प्राचार्य ने भूमि का आवंटन अन्य विभाग को करने से रोकने का किया है निवेदन

यदि महाविद्यालय की भूमि अन्य विभाग को आवंटित की गई तो आने वाले समय में अन्य संकायों के खुलने से भवन के लिए भूमि कहां से आएगी

रामानुज प्रताप सिंह देव महाविद्यालय कोरिया जिले का अग्रणी महाविद्यालय है,और कोरिया जिले के छात्र-छात्राओं और युवाओं की प्रारंभिक स्कूली शिक्षा के बाद एकमात्र उच्च शिक्षा का शासकीय केंद्र है। अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से ही और अविभाजित सरगुजा जिले के समय से वर्तमान तक हजारों क्षेत्र वासियों ने इस महाविद्यालय से शिक्षा ग्रहण की है। बावजूद इसके अभी तक यह महाविद्यालय कई मायनों में अपूर्ण है। अभी भी कई विभिन्न विषयों की स्नातकोत्तर कक्षाओं का यहां अभाव है, जिसके लिए भविष्य में संभावना बनी हुई है। यदि इन कक्षाओं का संचालन प्रारंभ होगा तो महाविद्यालय को इनके संचालन के लिए अतिरिक्त कक्ष और भवन की आवश्यकता पड़ेगी। इसके साथ ही विज्ञान संकाय के कक्षाओं के विस्तार में प्रयोगशाला भवन, विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने के लिए ऑडिटोरियम वगैरह के निर्माण की आवश्यकता पड़ेगी। इस दशा में अन्य जिलों के शासकीय अग्रणी महाविद्यालयों की तुलना में वैसे भी बैकुंठपुर महाविद्यालय में भूमि की पर्याप्तता नहीं है, यदि पूर्व में पदस्थ रहे यहां के प्राचार्यों की गलती के कारण महाविद्यालय से संबंधित भूमि अन्य विभाग को आवंटित कर दी जाती है, तो निश्चय ही महाविद्यालय प्रशासन को भविष्य में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

महाविद्यालय के नाम से करने के लिए आदेश भी जारी किया गया था,लेकिन प्राचार्य की लापरवाही के कारण यह नहीं हो सका...

1982 से बीटीआई के नाम से संचालित महाविद्यालय परिसर की वर्तमान भूमि को महाविद्यालय के नाम से राजस्व दस्तावेजों में अंकित करने के लिए तत्कालीन सरगुजा अपर कलेक्टर के न्यायालय में सन 1985 में प्रकरण दर्ज हुआ था। विधि सम्मत कार्यवाही के बाद 1986-87 में इस भूमि को महाविद्यालय के नाम अंकित करने संबंधी अपर कलेक्टर न्यायालय से आदेश भी जारी हुआ था। इस आदेश के जारी होने के उपरांत केवल औपचारिकता शेष बाकी रह गई थी, भूमि को महाविद्यालय के नाम राजस्व दस्तावेजों में अंकित करने के लिए। परंतु इसे विडंबना कहें या घोर लापरवाही की तत्कालीन प्राचार्य ने और सबसे लंबे समय तक इस महाविद्यालय के प्राचार्य बने रहने के रिकॉर्ड धारी व्यक्ति ने इस महत्वपूर्ण कार्य पर अपनी कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। परिणाम स्वरूप आज आलम यह है कि इस भूमि को पुलिस विभाग को आवंटित करने के लिए लगभग सारी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई हैं। और यदि यह भूमि अन्य विभाग को आवंटित हो जाता है तो निश्चित है कि महाविद्यालय प्रशासन पर यह स्वयं के द्वारा किया गया कुठाराघात होगा।

पुराने भवन में शीट बदलना,रंग रोगन कराया, लाइट,फैन आदि में लाखों खर्च किया गया...

महाविद्यालय परिसर में स्थित जिस भूमि और जिस भवन की बात की जा रही है,वर्षों से स्थित और उस पर निर्मित भवन की मरम्मत, रंगाई पुताई और मेंटेनेंस के नाम पर महाविद्यालय प्रशासन और प्राचार्य के द्वारा लाखों रुपए खर्च किए गए हैं। क्या परिसर में स्थित यह भवन केवल कमाई का जरिया बना रहा। यदि यह केवल कमाई का जरिया नहीं था, तो इसे महाविद्यालय के नाम पर अंकित करने के लिए कोई तत्परता और कोई पहल आज तक क्यों नहीं किया गया।

-रवि सिंह-

कोरिया,12 अगस्त 2025 (घटती-घटना)। अग्रणी महाविद्यालय रामानुज प्रताप सिंह देव को लग सकता है बड़ा झटका,क्योंकि उनके कब्जे की जमीन किसी अन्य विभाग को देने की हो रही तैयारी। जो जमीन 1986-87 में हो जानी थी महाविद्यालय के नाम, वह जमीन 26 साल तक कार्यरत प्रभारी सेवानिवृत्त प्राचार्य की लापरवाही की वजह से महाविद्यालय के नाम नहीं हो पाई। 26 साल में महाविद्यालय की कब्जे वाली जमीन को महाविद्यालय के नाम नहीं करवा पाए सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता। आज जिस वजह से महाविद्यालय की जमीन दूसरे विभाग को हस्तांतरण होने के कार्यवाही शुरू हो गई है। 1986 में अविभाजित सरगुजा के समय बैकुंठपुर के अपर कलेक्टर ने उक्त भूमि को महाविद्यालय के नाम करने सरगुजा कलेक्टर को पत्र लिखा था और प्रकरण भी दर्ज कराया था। प्रकरण दाखिल होने के बाद उचित सुनवाई पश्चात संबंधित भूमि को महाविद्यालय के नाम करने संबंधी आदेश भी हुआ था जारी,इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य को सिर्फ वह जमीन महाविद्यालय के नाम राजस्व विभाग से बातचीत करके करनी थी। पर वह मामला ठंडा बस्ते में पड़ा रहा और आज 33 साल बाद महाविद्यालय की जमीन दूसरे विभाग को देने की सुगबुगाहट हो रही है।

अग्रणी महाविद्यालय रामानुज प्रताप सिंहदेव की शुरुआत 1982 में हुई थी, जिस समय अविभाजित मध्य प्रदेश राज्य था और जिला सरगुजा था। इस महाविद्यालय को लगभग 43 वर्ष हो चुके हैं,यह महाविद्यालय अक्टूबर 1982 में बीटीआई बिल्डिंग में संचालित हो रहा था। 1999 तक यह महाविद्यालय इस भवन में संचालित होता रहा। इसके बाद उस भवन में मॉडल स्कूल संचालित होने लगा,क्योंकि उस समय महाविद्यालय की अपनी खुद की भवन बन गई थी,जब मॉडल स्कूल वहां से बंद हुआ,फिर वह भवन महाविद्यालय के पास उसी के प्रांगण में रही और वहां पर महाविद्यालय की कुछ कक्षा लगती रही, जो आज भी लग रही है। उस भवन में मरम्मत कार्य भी समय समय पर होती रही महाविद्यालय के पैसे से। उस भवन का कई बार मरम्मत कार्य किया गया। वह भवन महाविद्यालय के अधीन थी और उस जमीन को भी महाविद्यालय के नाम करने के लिए 1986-87 में प्रक्रिया शुरू हो गई थी। अंतिम दौर में वह सिर्फ महाविद्यालय के नाम होना था पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जिन्होंने 26 साल तक इस महाविद्यालय की कुर्सी पर सुशोभित रहे, उन्होंने इस जमीन को महाविद्यालय के नाम नहीं करा पाए और अब वर्तमान प्राचार्य भी उस जमीन को महाविद्यालय के नाम कराने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। जिस वजह से महाविद्यालय के नाम पर जो जमीन हस्तांतरित होनी थी,वह जमीन अब दूसरे विभाग के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिससे महाविद्यालय को काफी नुकसान होगा। जहां सभी जिले के महाविद्यालय के पास जमीन पर्याप्त है, वहीं इस जमीन के दूसरे विभाग को हस्तांतरण होने से कोरिया जिले के इकलौते अग्रणी महाविद्यालय की जमीन कम हो जाएगी और आने वाले समय में मिलने वाले सुविधा भी महाविद्यालय से छीन ली जाएगी। पर इस बात पर किसी का भी ध्यान नहीं है,और महाविद्यालय की जमीन किसी और विभाग को देने में मौन स्वीकृति दी जा रही है। जिसके लिए उच्च शिक्षा विभाग व अग्रणी महाविद्यालय के वर्तमान प्राचार्य को विचार करना होगा,क्योंकि आगामी समय में महाविद्यालय को जमीन की आवश्यकता होगी और महाविद्यालय की जमीन कम पड़ेगी। महाविद्यालय में कई कक्षाएं और बढ़ानी है उसके लिए भी जमीन की आवश्यकता होगी। ऑडिटोरियम से लेकर कई सुविधाएं महाविद्यालय में और आवश्यक है, जो वहां पर होना है। यदि यह जमीन नियम विरुद्ध तरीके से किसी और विभाग को हस्तांतरित की जाएगी तो महाविद्यालय को नुकसान होगा। क्योंकि यह जमीन पहले से ही महाविद्यालय को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया हो रही थी।

इन दस्तावेजों के अनुसार 1987 में ही भूमि महाविद्यालय के नाम हो जाने थी फिर उस भूमि को दूसरे विभाग को देने की पहल कैसे हो रही...

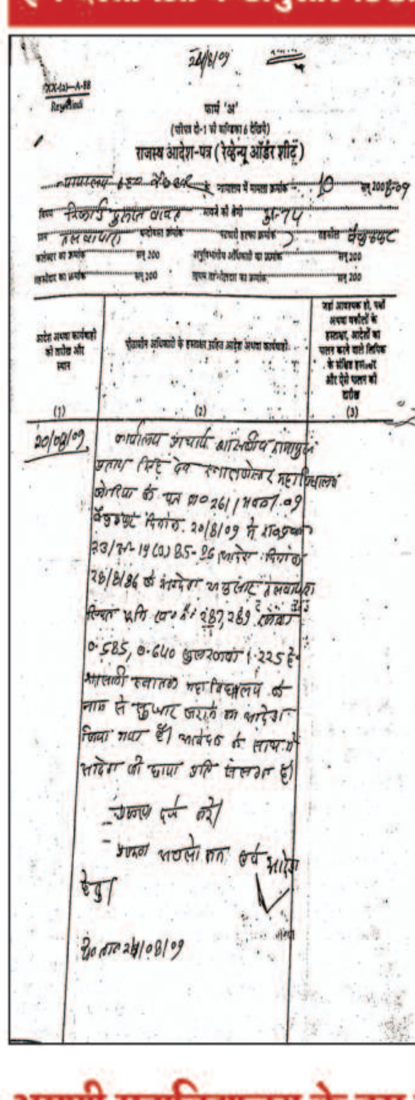

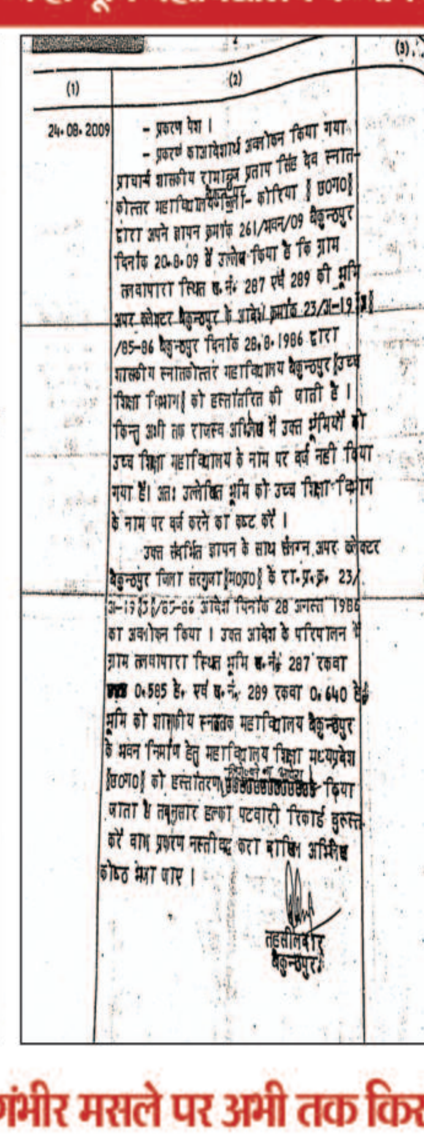

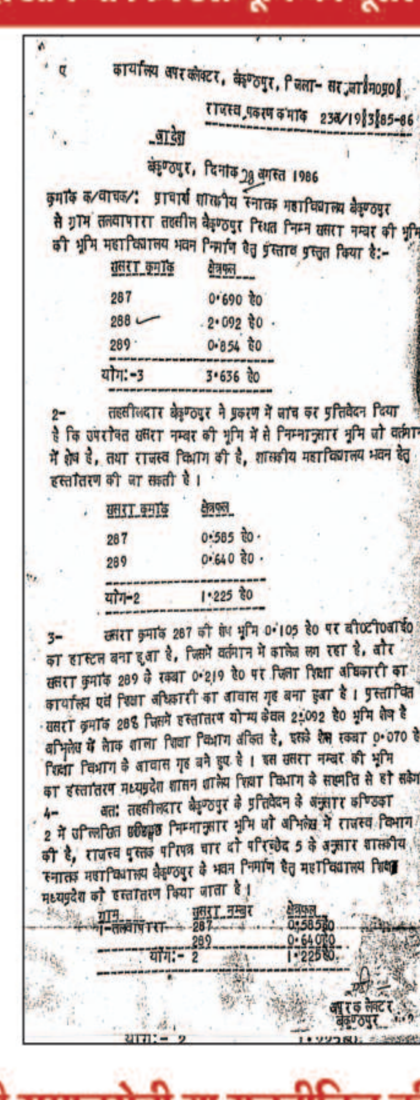

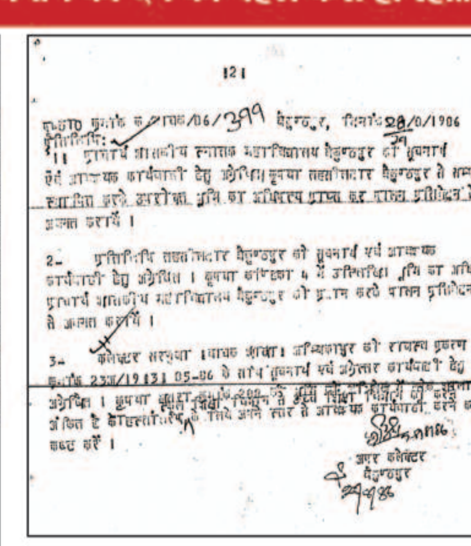

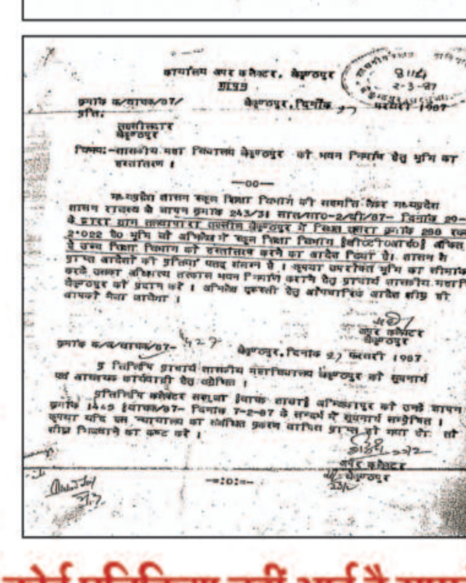

अग्रणी महाविद्यालय के इस गंभीर मसले पर अभी तक किसी समाजसेवी या राजनीतिज्ञ की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है सामने

कोरिया जिला के बैकुंठपुर और उसके आसपास के कई किलोमीटर के दायरे में रचे बसे लोगों की शिक्षा दीक्षा का एकमात्र समीपस्थ माध्यम रहा स्वर्गीय रामानुज सिंहदेव अग्रणी महाविद्यालय बैकुंठपुर से संबंधित भूमि के इस प्रकरण को लेकर अभी तक क्षेत्र के किसी भी समाजसेवी, शिक्षाविद और राजनीतिज्ञों की किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस मामले में अभी तक सभी उदासीन बने हुए हैं,जो की आश्चर्य का विषय है। क्योंकि अधिकांश समाजसेवी,शिक्षाविद,और राजनीतिज्ञ इसी महाविद्यालय की शिक्षा दीक्षा का परिणाम हैं। इनके द्वारा तो उस व्यक्ति से भी सवाल पूछे जाने चाहिए, जिसने सबसे लंबे समय तक प्राचार्य और प्रभारी प्राचार्य का दायित्व इस महाविद्यालय में संभाल रखा था। आखिर क्यों इतने लंबे समय तक उनके द्वारा इस भूमि को महाविद्यालय के नाम अंकित करने के लिए कोई पहल नहीं की गई। यह तो हो ही नहीं सकता कि यह मामला उनके संज्ञान में ना रहा हो।

खेल की संक्षिप्त खबरें

विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया-ए के मैच बेहतरीन तैयारी

नई दिल्ली,12 अगस्त 2025। ताहलिया मैकग्रा ने इस साल के द हंड्रेड में हिस्सा न लेने का कारण बताते हुए कहा कि उनका मानना है कि इस हफ़्ते ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया-ए के साथ भारत-ए के खिलाफ खेलना, 30 सितंबर से भारत में शुरू होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए एक आदर्श तैयारी होगी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया की संभावित विश्व कप टीम के अधिकांश खिलाड़ी वर्तमान में ईसीबी के 100-गेंदों वाले टूर्नामेंट में खेल रहे हैं,मैकग्रा उन पाँच सीए-अनुबंधित खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्हें 13 से 17 अगस्त तक भारत-ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए 50 ओवरों की टीम में शामिल किया गया है। उनके साथ कप्तान एलिसा हीली,ऑलराउंडर टेस फ्लिंटॉफ और तेज़ गेंदबाज़ डार्सी ब्राउन और किम गार्थ भी हैं।

एपीआरसी में भारत की एकमात्र महिला ड्राइवर

निकीता ताकाले की डब्ल्यूआरसी और डकार में चमकने की ख्वाहिश

मेदान,12 अगस्त 2025। एशिया पैसिफिक रैली चैंपियनशिप (एपीआरसी) में एकमात्र भारतीय महिला ड्राइवर, निकीता ताकाले, जिन्होंने सुमात्रा उतरा रैली में तीन पोडियम

स्थान जीते, यहाँ सफलता हासिल करने के बाद विश्व रैली चैंपियनशिप और कठिन डकार रैली में भाग लेने की इच्छा रखती हैं। ताकाले ने अपने सह-चालक सुधींद्र बीजी के साथ संपन्न हुए एपीआरसी के तीसरे राउंड में तीन खिताब जीते, जिसमें एपीआरसी आरसी4 वर्ग, एपीआरसी महिला वर्ग और सुमात्रा रैली आरसी4 श्रेणी शामिल हैं। यहाँ उनके प्रदर्शन ने उन्हें 6-8 नवंबर को जापान में होने वाले एपीआरसी फ़ाइनल में भाग लेने के लिए योग्य बना दिया है।

एशिया कप के लिए कैसा होगा टीम इंडिया का स्क्वॉयड

» सूर्यकुमार यादव,हैं सबसे तगड़े दावेदार

नई दिल्ली,12 अगस्त 2025। एशिया कप 2025 अगले महीने यानी सितंबर से खेला जाएगा। इसका शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका है। टीमें अपनी अपनी तैयारी शुरू कर चुकी हैं। हालांकि टीम इंडिया अभी रेस्ट पर है और सीधे एशिया कप के लिए ही मैदान में उतरेगी। इस बीच सवाल ये है कि इस बार के एशिया कप में वे कौन कौन से खिलाड़ी होंगे, जो टीम इंडिया के लिए खेलते हुए नजर आएंगे।

सूर्यकुमार यादव के हाथ में ही रह सकती है टीम इंडिया की कमान

इस बार का एशिया कप टी20 फॉर्मेट पर खेला जाएगा। अभी इस टीम की कमान सूर्यकुमार यादव संभाल रहे हैं, यानी काफी ज्यादा संभावना इसी बात की है कि वे ही टीम के कप्तान बने रहेंगे। इस बीच बड़ी बात ये हो सकती है कि पिछले काफी समय से टी20 टीम से बाहर चल रहे शुभमन गिल की वापसी इस टीम में हो सकती है। यानी वे ओपनिंग के लिए के लिए एक बेहतर विकल्प होंगे। इससे पहले जब भारतीय टीम ने टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था, तब अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। अभिषेक तो इस वक्त टी20 के नंबर एक बल्लेबाज हैं, इसलिए उन्हें तो टीम से बाहर किया ही नहीं जा सकता। लेकिन देखना ये दिलचस्प होगा कि उनके लिए सलामी बल्लेबाज की भूमिका कौन निभाता है।

इन खिलाड़ियों को भी मिल सकता है मौका

सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा के अलावा संजू सैमसन भी टीम का हिस्सा रहेंगे। वे विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पहली च्वाइस के बैटर होंगे। इसके अलावा दूसरे विकेट कीपर के तौर पर जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल में से किसी एक को मौका दिया जा सकता है। मिडल आर्डर में हार्दिक पांड्या तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर का नंबर आ सकता है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो वरुण चक्रवर्ती,कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह,हर्षित राणा खेलते हुए दिखाई दे सकत हैं। खास बात ये है कि इस बार टीम में जसप्रीत बुमराह भी शमिल किए जा सकते हैं, जिन्होंने काफी वक्त से कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। सेलेक्टर्स उनके बारे में क्या सोचते हैं, ये देखना काफी मजेदार होगा।

भारत की टी 20 टीम में आने की कोशिश में जुटा यशस्वी जायसवाल,

एक साल से नहीं मिल रहा मौका

भारतीय टीम के खिलाड़ी अभी रेस्ट पर हैं। इंग्लैंड सीरीज समाप्त होने के बाद अब टीम सीधे एशिया कप के लिए ही मैदान में उतरेगी। टीम में कौन से खिलाड़ी होंगे और कौन से नहीं, इसको लेकर अब कुछ कुछ तस्वीर साफ होने लगी है। हालांकि पक्की मोहर तो तभी लगेगी, जब बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी टीम का ऐलान कर देगी।

यशस्वी जायसवाल को बैठना पड़ सकता है बाहर

एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान जब होगा, तब होगा, लेकिन अभी जो खबरें निकलकर सामने आ रही हैं, उससे पता चलता है कि यशस्वी जायसवाल को इस बार एशिया कप की टीम में मौका मिलना मुश्किल है, जो टी20 फॉर्मेट पर खेला जाएगा।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया के संभावित दावेदार:
सूर्यकुमार यादव (कप्तान),शुभमन गिल,अभिषेक शर्मा,संजू सैमसन, तिलक वर्मा,शिवम दुबे,अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर,वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव,जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह,हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा,हार्दिक पंड्या,जितेश शर्मा/ध्रुव जुरेल।

शुभमन गिल को मिला आईसीसी का बड़ा अवॉर्ड

पूरी दुनिया में ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

नई दिल्ली,12 अगस्त 2025। शुभमन गिल पिछले कुछ समय से बहुत ही शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके बल्ले से खुब रन भी निकल रहे हैं। इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का जलवा दिखाया था और टीम के लिए सबसे बड़े नायक बनकर उभरे थे। गिल की बेहतरीन बल्लेबाजी की वजह से ही भारतीय टीम टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर कर पाई थी। अब जुलाई 2025 महीने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड मिला है। इसका ऐलान आईसीसी ने किया है।

गिल ने किया था दमदार प्रदर्शन

शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने के लिए इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और साउथ अफ्रीकी ऑलराउंडर वियान मुल्डर से कड़ी टक्कर मिली। 25 साल के गिल ने जुलाई में दमदार खेल दिखाया और उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की शानदार औसत से 567 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल रहा।

शुभमन गिल ने कही ये बात...

प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने के बाद शुभमन गिल ने कहा कि जुलाई के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। इस बार यह और भी ज्यादा अहम है क्योंकि यह अवॉर्ड मुझे कप्तान के रूप में मेरी पहली टेस्ट सीरीज के दौरान मेरे प्रदर्शन के लिए मिला है। बर्मिंघम में लगाया गया दोहरा शतक मेरे सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा। मैं इस अवॉर्ड के लिए मुझे चुनने के लिए जूरी को धन्यवाद देना चाहता हूं।

गिल ने चौथी बार जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ मंथ अवॉर्ड

शुभमन गिल का यह कुल चौथा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्होंने फरवरी 2025, जनवरी 2023, सितंबर 2023 में यह अवॉर्ड अपने नाम किया था। वह पूरी दुनिया में इकलौते प्लेयर बने हैं, जिन्होंने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड चार बार जीता है। इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल ने ऐसा प्रदर्शन किया था, जिसकी मिशाल कम ही देखने को मिलती है। उन्होंने पूरी टेस्ट सीरीज के पांच मैचों में कुल 754 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल रहे।

इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय टेस्ट कप्तान

शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया था, लेकिन तब भारत को पांच विकेट से हार मिली थी। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन बनाए थे। उनकी वजह से ही भारतीय टीम दूसरा मैच 336 रनों से जीत दर्ज करने में सफल रही। गिल इंग्लैंड में दोहरा शतक जड़ने वाले पहले भारतीय टेस्ट कप्तान बने थे।

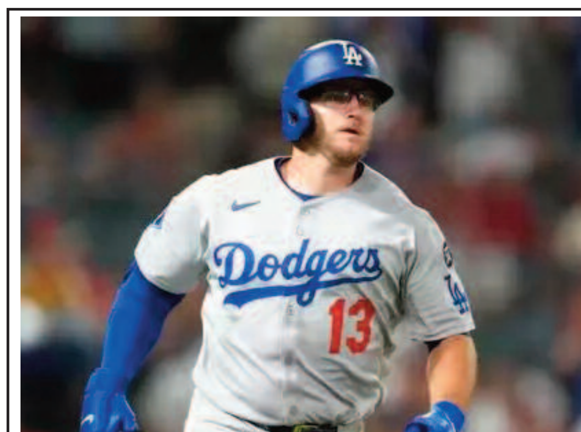

मैक्स मुन्सी की नाराजगी डॉजर्स को काम पूरा करना चाहिए था

लॉस एंजिल्स,12 अगस्त 2025। डोजर्स पिछले पांच मैचों में केवल तीन रन ही बना पाए हैं, लेकिन शावेज रेविन में टोरंटो ब्लू जेज़ के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने कई बार वर्ल्ड सीरीज़ जीतने वाले मैक्स मुन्सी को टीम को एक स्पष्ट संदेश भेजने के लिए प्रेरित किया। क्लच पॉइंट्स की रिपोर्ट के अनुसार, डोजर्स ने चार अंक हासिल करने के बावजूद,ब्लू जेज़ ने 5-4 से रेस जीत ली और तीन मैचों की स्वीप को रोक दिया। स्पोर्ट्सनेट एलए पर मैच के बाद की उपस्थिति में मुन्सी ने कहा,जब आप ऐसे मौके बनाते हैं,तो आप एक आक्रामक खिलाड़ी के रूप में कुछ अच्छा कर रहे होते हैं। आपको बस काम पूरा करना होता है। उनका मानना था कि डोजर्स पूरे क्रम में आसानी से मैच जीत सकते थे। जैसे ही नौवें में बेस लोड हुए, मुन्सी की ईमानदार टिप्पणी ज़ोरदार और स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

आर्यना संबालेका ने जीता महिला सिंगल्स खिताब,फाइनल में एम्मा रादुकानु को हराया

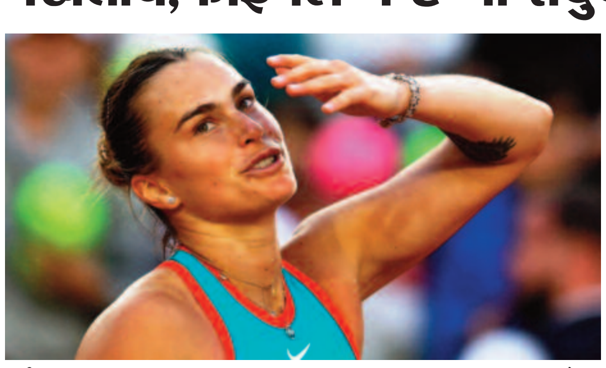

नई दिल्ली,12 अगस्त 2025। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने 3 घंटे 9 मिनट तक चले सिनसिनाटी ओपन के संघर्षपूर्ण फाइनल में ब्रिटेन की एम्मा रादुकानु को हराकर खिताब जीता। रादुकानु एक बार फिर से सबालेंका के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को तोड़ने में नाकामयाब रहीं। पहले सेट में रादुकानु ने शानदार खेल दिखाया और पहले नौ अंक जीतकर जोरदार शुरुआत की। लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, उनकी पकड़ कमजोर होती गयी। उनकी सर्विस कमजोर पड़ने लगी। वहीं, सबालेंका ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की और टाई-ब्रेक में पहला सेट 7-6 (3) से जीता। दूसरे सेट में एम्मा रादुकानु ने जोरदार वापसी की। उन्होंने सबालेंका को छकाते हुए सेट 4-6 से अपने नाम किया। तीसरा सेट बेहद अहम और निर्णायक था। दोनों की तरफ से उनका सर्वश्रेष्ठ खेल देखने को मिला। रादुकानु ने ताकतवर फोरहैंड और बैकहैंड का इस्तेमाल किया और सबालेंका के आक्रमण को रोकने में भी सफलता पाई। वहीं नंबर वन खिलाड़ी सबालेंका ने भी अपनी क्लास से रादुकानु पर अपनी पकड़ बनाए रखी और सेट टाई ब्रेकर में 7-6 (5) से जीतकर खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, ÷मैं इस मुश्किल मैच को जीतकर खुश हूं। रादुकानू पर तीसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए मुझे जोखिम भरे शॉट खेलने पड़े। मुझे उसके खिलाफ लड़ने में मज़ा आ रहा है। वह एक अद्भुत खिलाड़ी है, एक बहुत अच्छी इंसान है, और मैं उसके लिए बहुत खुश हूं। मैं उसे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ देखकर खुश हूं। वह खेल में लगातार सुधार कर रही है।÷

यह एक लंबा रास्ता है क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पुनरुद्धार योजना बनाई

पोर्ट ऑफ़ स्पेन,12 अगस्त 2025। वेस्टइंडीज़ वर्तमान में अन्य खेलने वाले देशों के समान स्तर पर नहीं है, जिसके कारण क्रिकेट वेस्टइंडीज़ ने एक आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में ब्रायन लारा, क्लाइव लॉयड, विव रिचर्ड्स, डेसमंड हेन्स, शिवनारायण चंद्रपॉल और वर्तमान मुख्य कोच डैरेन सैमी जैसे दिग्गज शामिल थे, और वेस्टइंडीज़ क्रिकेट को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से एक प्रारंभिक रोडमैप के साथ इसका समापन हुआ। हालाँकि, जैसा कि प्रतिभागियों ने कहा,यह एक लंबा रास्ता है, यह कल नहीं होने वाला है।

डेवाल्ड ब्रेविस की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उड़ा दिए होश

छक्कों की भयंकर बारिश से पहली बार किया ये कमाल

मेलबर्न,12 अगस्त 2025। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज जारी है। सीरीज के दूसरे मुकाबले में डेवाल्ड ब्रेविस ने कमाल कर दिया। उन्होंने आते ही विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की जमकर खबर ली और चौके और छक्कों की झड़ी सी लगा दी। ब्रेविस ने पहली बार अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में 50 का आंकड़ा पार किया है। इसके बाद भी उनकी पारी थमी नहीं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत तो अच्छी रही। उन्होंने चौथे ओवर में ही 30 रन बना लिए थे। लेकिन तभी टीम को पहला झटका लगा और

रियान रिकल्टन 14 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद जल्दी जल्दी विकेट गिरने लगे। एडन मारक्रम 18 रन बनाकर आउट हो गए। लुआन-ड्रे प्रीटोरियस भी 10 रन बनाकर चलते बने। तीन विकेट गिरने से टीम संकट में थी, लेकिन नंबर चार पर आए डेवाल्ड ब्रेविस ने कमाल की बल्लेबाजी की।

25 बॉल पर ब्रेविस ने पूरे कर लिए थे 50 रन

तीन विकेट गिरने के बाद भी डेविल्ड ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी की और महज 25 बॉल पर ही अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। इसमें पांच छक्के और दो चौके शामिल रहे। डेवाल्ड ब्रेविस ने अब अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का सबसे बड़ा स्कोर बना दिया है। इससे पहले उन्होंने 41 रन की पारी खेली थी। यानी वे पहली बार 50 रन के आंकड़े को पार कर सके हैं। ब्रेविस ने किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा और खासतौर पर ग्लेन मैक्सवेल के ओवर में खूब रन बनाए।

पहली बार टी20 इंटरनेशनल में लगाया ब्रेविस ने शतक

डेवाल्ड ब्रेविस ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में पहली बार 50 का आंकड़ा पार किया और इसके बाद वे यहीं नहीं रुके। उन्होंने शतक भी पूरा करने का काम किया। ब्रेविस ने अपना पहला टी20 इंटरनेशनल शतक केवल 41 बॉल में ही पूरा कर लिया। इस दौरान ब्रेविस के बल्ले से नौ चौके और आठ छक्के आए।

फिल्म सिला से करण वीर मेहरा का विलेन के रूप में आया पहला लुक

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म सिला' में उनके खलनायक अवतार जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। निर्देशक ओमंग कुमार, जो मैरी कॉम' और सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब सिला' नाम की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक शेयर

करते हुए लिखा ङ्क खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! करणवीर की इस एक लाइन ने फैंस को उनके किरदार की गहराई और भयावहता का अंदाजा दे दिया है। पोस्टर में करण वीर लहूलुहान शरीर, लंबे उलझे बालों और हाथ में तलवार लिए युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। उनकी आंखों की आग और शरीर पर खून के धब्बों ने उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में दिखाया है।करण वीर का किरदार जहराक' फिल्म में काफी खतरनाक', इंटेंस' और डरावना' बताया जा रहा है। उनके लुक पर कई फैंस ने भी कमेंट किया है। उनके फैंस को लुक पसंद आया है। कई लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्हें फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की कहानी समीर जोशी ने लिखी है, जबकि डायलॉग्स आरंभ एम. सिंह ने तैयार किए हैं। संगीत की जिम्मेदारी अंकित तिवारी, सचेत-परंपरा, श्रेयस पुराणिक और एलेक्सिया एवलिन जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के पास है। ये टीम पहले ही कई हिट गाने दे चुकी है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

अब कहा हैं शोले का दीपक...

बॉलीवुड फिल्मों में कई चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आते हैं, कई काफी पॉपुलर हो जाते हैं। इन स्टारकिड्स को लोग काफी पसंद करते हैं और लोग आस लगा लेते हैं कि ये बड़े होकर नामी एक्टर्स बनेंगे। कई चाइल्ड आर्टिस्ट आगे चलकर नामी एक्टर बनते हैं, कई स्ट्रगल करते रह जाते हैं तो कई ऐसे भी हैं जो एक दो फिल्में कर के अपनी नई जिंदगी शुरू कर देते हैं। आज आपको ऐसे ही एक चाइल्ड आर्टिस्ट के बारे में बताएंगे, जो शोले में नजर आए थे। शोले की रिलीज को अब 50 साल बीत रहे रहे हैं, फिल्म के ज्यादातर कलाकार या तो काफी बुजुर्ग हो गए हैं या इस दुनिया को अलविदा कह गए। दीपक को रोल में नजर आए चाइल्ड आर्टिस्ट अब करोड़ों के मालिक हो चुके हैं। वो भारत छोड़कर अमेरिका में अपना घर बसा चुके हैं। चलिए आपको विस्तार से बताते हैं, ये क्या करते हैं, इनके परिवार में कौन-कौन हैं और अब इनकी जिंदगी लाइमलाइट से दूर कैसी है।

इन फिल्मों से मिली पहचान

कभी बॉलीवुड के सबसे मशहूर बाल कलाकारों में से एक रहे अलंकार जोशी आज लाइमलाइट से दूर, अमेरिका में एक सुकून भरी जिंदगी जी रहे हैं। 1970 के दशक में मास्टर अलंकार नाम ऐसा था, जिसे शायद ही कोई फिल्मप्रेमी भूल पाए। सीता और गीता (1972), मजबूर (1974) और दीवार (1975) जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी मासूमियत और सधी हुई अदाकारी से लोगों के दिल जीत लिए। अक्सर उन्हें युवा अमिताभ बच्चन की भूमिका में देखा जाता था और उन्होंने उस उम्र में भी जिस गहराई से अभिनय किया, वह काबिले-तारीफ था।

दीवार के सेट की वो खास याद

उनकी बहन और जानी-मानी अभिनेत्री पल्लवी जोशी ने एक साक्षात्कार में बताया था कि कैसे अलंकार को दीवार में काम मिला। पल्लवी ने बताया, हम यश चोपड़ा जी से मिलने सेट पर गए थे। अमित जी (अमिताभ बच्चन) ने दादा (अलंकार) को देखते ही कहा -'अरे, कैसे हो?' और फिर यश जी से कहा कि इन्हें मेरा बचपन वाला रोल दे दो। उन्होंने ये भी साझा किया कि अलंकार ने किस तरह अमिताभ बच्चन की बारीकियों को अपने अभिनय में उतारा। उन्होंने कहा, वो अमिताभ के सीन मैं फेंके हुए पैसे नहीं उठाता को गौर से देख रहे थे। जब अमिताभ अपनी शर्ट की गांठ खोल रहे थे तो अलंकार ने यश जी से पूछा कि क्या मैं भी वैसा कर सकता हूं? यह उस बच्चे की गहरी समझ और ऑब्जर्वेशन की मिसाल थी।

चकाचौंध के पीछे की हकीकत

भले ही पर्दे पर सबकुछ चमकदार लगता हो,लेकिन एक बाल कलाकार के रूप में काम करना आसान नहीं होता। टाइम्स नाउ को दिए एक पुराने इंटरव्यू में अलंकार ने कहा था,लंबे घंटों की शूटिंग, रात भर जागना और हर जगह भीड़ का सामना करना, ये सब तब आसान नहीं था। मेरे माता-पिता ने हमेशा मुझे जमीन से जुड़ा रहना सिखाया। तारीफों में बह जाना कभी विकल्प नहीं था। बचपन की शोहरत को दोहराना अक्सर मुश्किल होता है और यही अलंकार के साथ भी हुआ। बड़े होने पर उन्होंने अभिनय में वापसी की कोशिश की, लेकिन उन्हें जल्द ही ये एहसास हो गया कि बाल कलाकार के रूप में जो जादू था, वह अब वैसा नहीं रहा। उन्होंने निर्देशन और निर्माण की दुनिया में भी हाथ आजमाया और मराठी फिल्मों में योगदान दिया, मगर उनका दिल कैमरे के पीछे नहीं था।

24 दिनों से जेल में बंद पूर्व सीएम का बेटा

पीने को नहीं मिल रहा साफ पानी...कोर्ट ने ईडी को भेजा नोटिस...

बिलासपुर ,12 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद चैतन्य बघेल की याचिका पर हाई कोर्ट ने सुनवाई की। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे की याचिका पर कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर 26 अगस्त तक जवाब मांगा है। चैतन्य बघेल ने अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद चैतन्य बघेल हाई कोर्ट पहुंचे थे।

जेल अधीक्षक को भी दिया निर्देश

वहीं,चैतन्य बघेल के वकील ने कोर्ट में बताया कि चैतन्य को जेल में पीने के लिए साफ पानी तक नहीं मिल रहा। जिस पर कोर्ट ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 26 अगस्त को होगी।

क्या था चैतन्य बघेल की याचिका में

दरअसल,पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी जिसे कोर्ट ने खारिज करते हुए हाई कोर्ट जाने की सलाह दी थी। चैतन्य बघेल ने इस याचिका में अपनी गिरफ्तारी और हिरासत में लिए जाने को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि उनकी हिरासत गैरकानूनी है और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया है।

भूपेश बघेल के बेटे को ईडी ने जुलाई में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जेल में हैं। कोर्ट ने 18 अगस्त तक उन्हें रिमांड में भेजा है। चैतन्य बघेल 24 दिनों से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। ईडी ने चैतन्य बघेल को शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में 18 जुलाई को भिलाई से गिरफ्तार किया गया था। ईडी का आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य बघेल को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। इसके साथ ही उन्होंने शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। उन्होंने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया गया है।

चैतन्य बघेल को जेल में हुआ बुखार

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को बुखार हो गया है। इस पर हाईकोर्ट ने जेल सुपरिंटेंडेंट को निर्देश दिया है कि उन्हें कानून के अनुसार मिलने वाली सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अदालत ने यह आदेश स्पेशल कोर्ट में दाखिल आवेदन पर सुनवाई के बाद दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

सीएम साय की अगुवाई में बीजेपी आज निकालेगी तिरंगा यात्रा

» चौक-चौराहों में गूंजेंगे देशभक्ति के गीत...

» 1500 मीटर का विशाल तिरंगा होगा आकर्षण का केंद्र

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर में आजादी के महोत्सव के रूप में कल 13 अगस्त को शाम 4 बजे राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक भवन से प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में विशाल भव्य तिरंगा यात्रा निकली जाएगी,जो शहर के कई इलाकों से होते हुए मरीन ड्राईव तेलीबांधा में सम्पन्न होगी। इस दौरान तिरंगा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया जाएगा। इस तिरंगा यात्रा को लेकर शहर भाजपा ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की है। तिरंगा यात्रा में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद, व्यापारिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक संगठन, छात्र, पूर्व वीर सैनिक, आम नागरिक के अलावा शहर भर से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

महत्वपूर्ण खबर

रायपुर मास्टर प्लान-2031 पर उठे सवाल

176 शिकायतें,कई गड़बड़ियों की पुष्टि

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। राजधानी रायपुर के मास्टर प्लान-2031 को लेकर बड़ी संख्या में आपत्तियाँ सामने आई हैं। अब तक नगर तथा ग्राम निवेश विभाग को कुल 176 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 56 परसतराई और 24 रावांभाठा क्षेत्र से दर्ज की गई हैं। इसके अलावा शहर की 14 सड़कों में भी गड़बड़ियों की शिकायतें मिली हैं। मास्टर प्लान में सामने आई इन गड़बड़ियों को लेकर रायपुर पश्चिम से विधायक राजेश मूणत और सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी अपने सुझाव दिए हैं। विभाग की टीम इन शिकायतों और सुझावों की जांच में जुटी है और सुधार की तैयारी की जा रही है।

जामवाल की राज्यपाल से मुलाकात ने बढ़ाई राजनीतिक सरगर्मी

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में कैबिनेट विस्तार को लेकर इन दिनों चर्चाएं तेज़ हैं, और इसी बीच एक अहम मुलाकात ने सियासी हलचल और बढ़ा दी है। बीजेपी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने हाल ही में राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में भेंट की। जामवाल ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कीं, जिसके बाद सियासी गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

हमलों के खिलाफ सड़कों पर उतरा ईसाई समाज

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। राजधानी रायपुर में आज (मंगलवार) संयुक्त ईसाई समाज ने शहर की सड़कों पर रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने चर्च और ईसाई समुदाय पर हो रहे हमलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ रही घटनाएं न सिर्फ समुदाय के अधिकारों का हनन कर रही हैं, बल्कि प्रदेश के सामाजिक सौहार्द को भी चुनौती दे रही हैं।रैली में शामिल लोगों ने कहा कि चर्चों में तोड़फोड़, पास्टरों को धमकाने और बेबुनियाद धर्मांतरण के आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज करने जैसी घटनाएं अब आम होती जा रही हैं।

वक्फ बोर्ड के तिरंगा फहराने के आदेश पर छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का बीजेपी पर आरोप

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा...नया राजनीतिक प्रोपेगेंडा

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने वक्फ बोर्ड द्वारा मस्जिदों में तिरंगा फहराने के आदेश को लेकर केंद्र की बीजेपी पार्टी भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने इसे भाजपा का नया राजनीतिक प्रोपेगेंडा करार देते हुए कहा कि देश के किसी भी मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे या गिरजाघर में अब तक तिरंगा नहीं फहराया गया है, तो फिर

इस तरह का आदेश क्यों जारी किया गया?

बैज ने स्पष्ट किया कि तिरंगा फहराना हर व्यक्ति का अधिकार और स्वतंत्रता है। जब कोई तिरंगा फहराता है तो वह अपने देश पर गर्व महसूस करता है। लेकिन इसे जब प्रशासनिक आदेश के तौर पर थोप दिया जाता है, तो यह केवल राजनीतिक प्रचार की रणनीति है, उन्होंने कहा।

बीजेपी के 'घर-घर तिरंगा' अभियान पर कटाक्ष

दीपक बैज ने भाजपा के 'घर-घर तिरंगा' अभियान को भी कठोर आलोचना का निशाना बनाया। उनका कहना है कि भाजपा इस अभियान के माध्यम से जनता को अपने पक्ष में करने के लिए नये-नये हथकंडे अपना रही है। बैज ने पूछा, क्या देश और प्रदेश के लोगों को अपने घर पर तिरंगा लगाने के लिए भाजपा से अनुमति लेनी चाहिए? वे क्यों तिरंगा बाँट रही हैं? उन्होंने इसे भाजपा का एक नया राजनीतिक प्रोपेगेंडा बताया। बैज ने कहा, वही भाजपा जो पिछले 52 साल तक आरएसएस मुख्यालय में तिरंगा नहीं फहराती थी, आज देशभक्ति का पाठ पढ़ा रही है। अब वे 52 सालों के झंडा न फहराने का प्रायश्चित करने के लिए ऐसे हथकंडे अपना रही हैं।

इंदु वर्मा को दिल्ली में 15 अगस्त पर मिलेगा विशेष अतिथि सम्मान

अर्जुनी ,12 अगस्त 2025 (ए)। बलौदाबाजार विकासखण्ड के ग्राम पंचायत ठेलकी जिला बलौदाबाजार भाटापारा छत्तीसगढ़ की एक छोटे से गांव की उभरते लेखिका इंदु वर्मा ने अपने लेखनी की डंका पूरे देश मे बजवाया है । इंदु वर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सोनाखान के वीर सपूत शहीद वीर नारायण सिंह के गाथा लेखिका हैं, इंदु वर्मा द्वारा लिखित सोनाखान के सपूत शहीद वीर नारायण सिंह की गाथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास से प्रकाशित हुआ है, तदुपरांत इन्हें राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति से भी मिलने का अवसर मिल चुका है, तत्पश्चात अब भारत शासन के रक्षा मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा इन्हे आगामी

15 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रुप में दिनांक 02 मई 2025 को संप्रेषित आमंत्रण पत्र मिला है, जिनका 12 अगस्त को रेल मार्ग में रिजर्वेशन हो चुका है। इनकी उपलब्धि बलौदाबाजार जिले के लिए गौरव की बात है।

15 लाख लूट की कहानी झूठी

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)।मोवा कांपा रेलवे लेवल क्रासिंग रोड पर रविवार को हुई 15 लाख रुपये की कथित लूट की गुत्थी सुलझ गई है। रायपुर एसएसपी लाल उमेद सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि यह पूरी घटना एक सुनियोजित फर्जी साजिश थी,जिसे खुद पीड़ित कारोबारी चिराग जैन ने रचा था।

ट्रीपल मर्डर मामले में सभी आरोपी गिरफ्तार

धमतरी,12 अगस्त 2025 (ए)। जिले के थाना अर्जुनी क्षेत्र के भोयना स्थित अन्नपूर्णा ढाबा के पास 3 युवकों की हत्या के मामले में धमतरी पुलिस ने सभी 8 आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में 3 नाबालिग बालक भी शामिल है। मामले में सभी पर बीएनएस की गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

राशनकार्ड धारकों को फिर से मिलेगा केरोसिन

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा राज्य के गैर अनुसूचित क्षेत्रों के गैस कनेक्शनधारी राशनकार्डों में भी पीडीएस के तहत केरोसिन प्रदाय करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ को माह अगस्त के लिए 1332 किलोलीटर केरोसिन का आबंटन किया गया है। जिसे उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से हितग्राहियों को वितरित किया जाएगा।

1 करोड़ 11 लाख की ठगी, दोगुना करने वाला फ्रॉड अरेस्ट

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। शेयर ट्रेडिंग, क्रीप्टो ट्रेडिंग में निवेश करने के नाम पर प्रार्थी और अन्य लोगों के साथ रकम दुगुना करने के साथ साथ जमीन दिलाने का झांसा देकर करोड़ों रूपये की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार हो गया है। मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी भागीरथी यादव की लिखित शिकायत आवेदन पर आरोपी अभिलाष मसीह एवं अभिषेक प्रवीण मसीह द्वारा शेयर ट्रेडिंग, क्रीप्टो ट्रेडिंग में इन्वेस्ट करने एवं बीस माह के अंदर इन्वेस्ट किये गये रकम का दो से तीन गुना करके तथा रायपुर शहर के अलग क्षेत्र एवं अन्य शहरो में प्लाट देने का लुभावना ऑफर देकर विश्वास में लेकर प्रार्थी तथा अन्य लोगो से कुल 1,11,25,000/रू0 की धोखाधडी करने के संबंध में थाना न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के आरोपी अभिलाष मसीह पिता कली मसीह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। फरार आरोपी अभिषेक प्रवीण मसीह का तलाश जारी है।

छत्तीसगढ़ की जेलों में 5,600 कैदी ज्यादा

बिलासपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जेलों में बढ़ती भीड़ और कैदियों की खराब स्थिति पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच के सामने राज्य सरकार की ओर से पुलिस महा निदेशक ने शपथ पत्र पेश किया। इसमें बताया गया कि फिलहाल प्रदेश की जेलों में 20,500 कैदी हैं, जबकि क्षमता केवल 14,900 की है। यानी 5,600 कैदी क्षमता से अधिक हैं।सरकार ने बताया कि नई जेलों और बैरकों का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। बेमेतरा का नया जेल भवन तैयार है, अंबिकापुर में 200 कैदियों की क्षमता वाले बैरक भी पूरे हो चुके हैं। हालांकि, बिलासपुर सेंट्रल जेल का नया भवन छह बार टेंडर निकलने के बावजूद शुरू नहीं हो पाया, क्योंकि कोई ठेकेदार आगे नहीं आया। अब सातवीं बार टेंडर निकाला जाएगा।

छत्तीसगढ़ को कैम्पा से 827.92 करोड़ रुपये बकाया

सांसद बृजमोहन ने कारवाई की मांग की

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। रायपुर लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ को प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण से अब तक ₹827.92 करोड़ की बकाया राशि का भुगतान न होने पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

एसडीएम की गाड़ी से 5 माह की गर्भवती की मौत

बिलासपुर ,12 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में राखी के दिन एक भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहां एसडीएम की सरकारी गाड़ी ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। इस हादसे में 5 माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। वहीं महिला का पति और दो बच्चे भी घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन समेत ड्राइवर मौके से फरार हो गया था, जिसे ग्रामीणों ने वाहन को खोज कर पुलिस को सौंप दिया है।

पुलिस और नक्सलियो के बीच मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान घायल

बीजापुर,12 अगस्त 2025 (ए)। बीजापुर जिले के बोड़ला-पुसनार के घने जंगलों में मंगलवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच एक मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दो जवान गोली लगने से घायल हो गए। दोनों जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हेलिकॉप्टर के जरिए रायपुर रेफर किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों जवान खतरे से बाहर हैं। बीजापुर पुलिस अधीक्षक ने इस घटना की पुष्टि की है।

पाकिस्तानी ड्रग्स नेटवर्क के 8 और पैडलर हिरासत में

कुरियर और होम डिलीवरी से हो रही थी सप्लाई

रायपुर,12 अगस्त 2025 (ए)। राजधानी रायपुर में पुलिस ने पाकिस्तानी ड्रग्स नेटवर्क के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई की है। अलग-अलग स्थानों से 8 और पैडलरों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ जारी है। इससे पहले, इस नेटवर्क से जुड़े 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें मास्टरमाइंड लवजीत सिंह और सुवित श्रीवास्तव शामिल थे।

आप नेत्री की सड़क हादसे में मौत

» पति पर लगा हत्या का आरोप

» पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने किया मामला साफ

जांजगीर-चांपा,12 अगस्त 2025 (ए)। अकलतरा में आम आदमी पार्टी की नेत्री पूजा केवट की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। दरअसल, यह हादसा 9 अगस्त की देर रात अकलतरा ओवरब्रिज के पास हुआ, जब पूजा अपने पति राहुल साहू और देवर प्रकाश साहू के साथ बिलासपुर से लौट रही थीं। बाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई और पूजा के सिर पर गहरी चोट आई। मौके पर ही पूजा की मौत हो गई, जबकि पति और देवर को मामूली चोटें आईं।

घटना ने बाद में हंगामे का रूप ले लिया। मृतका के परिजन और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता इसे हादसा मानने से इनकार कर दोबारा पोस्टमॉर्टम की मांग पर अड़ गए। करीब 3 घंटे चले विवाद के बाद तहसीलदार ने जांच का आश्वासन दिया, तब जाकर शव अंतिम संस्कार के लिए सौंपा गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)